रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

मंगलवार

03 मार्च -2026

वर्ष 10, अंक 178

पेज 8, मूल्य 2 रुपए

रांची

पेज-8

बोकारो में बढ़ते अपराध-मानवाधिकार हनन के खिलाफ सैकड़ों नागरिकों का ज्ञापन

मुख्यमंत्री से तत्काल जांच की मांग, आंदोलन की तैयारी

दैनिक अलग पहचान, अन्नपूर्णा गुप्ता, मुख्य संपादक, नई दिल्ली । झारखंड के बोकारो जिले में अपराध के बढ़ते ग्राफ, पुलिस की कथित मनमानी और मानवाधिकार हनन के खिलाफ किसान संग्राम समिति ने भी एक बड़ी जन-आवाज उठाई है। सैकड़ों न्यायप्रिय नागरिकों के हस्ताक्षर से युक्त एक विस्तृत ज्ञापन दिनांक 3 मार्च 2026 को बोकारो के उपायुक्त कार्यालय में सुकुमार प्रसाद मरांडी के हाथों मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सौंपा गया है। इस ज्ञापन में बोकारो को 'अपराध की राजधानी' करार देते हुए पुलिस की कार्यशैली पर तीखे सवाल उठाए गए हैं और तत्काल सुधार की मांग की गई है। ज्ञापन में वर्णन किया गया है कि बोकारो जिले में चोरी, लूट, बलात्कार, हत्या, रंगदारी जैसे अपराध चिंताजनक रूप से बढ़ रहे हैं। कॉमरेड अमर और कॉमरेड गया राम ने कई गंभीर हत्याओं में पुलिस को कोई सुराग नहीं मिल पाने की बात कही है, लेकिन बालू, कोयला, लोहा और जमीन लूटवाने में पुलिस की कथित अहम भूमिका निभाने के आरोप लगाए गए हैं और कहा भ्रष्ट अधिकारी द्वारा हम लोगों के भी राजनीतिक हत्या कराई जा सकती है। गरीब पीड़ितों की शिकायतों को अनसुना किया जा रहा है या उन्हें प्रक्रिया में घुमाया जा रहा है। माफिया तत्वों को खुली छूट मिलने से भूमि विवादों में रैयतों को कानूनी जाल में फंसाकर उनकी जमीनों पर जबरन कब्जा करवाया जा रहा है। संगठित अपराध चरम पर है और आम जनता भय के साये में जी रही है; रात में घर से बाहर निकलना भी जोखिम भरा हो गया है। पुलिस दिखावे के लिए मार्च करती है, जबकि कुख्यात अपराधी पुलिस चेंबर में आराम से बैठते हैं। किसान संग्राम समिति के केंद्रीय सदस्य कॉमरेड गया राम शर्मा और कॉमरेड अमर चक्रवर्ती ने आरोप लगाया कि पुलिस अपराध नियंत्रण के बजाय मीडिया में अपनी छवि चमकाने में व्यस्त है। जनता के साथ संबंध खराब होने के बावजूद अपराधियों से गठजोड़ है, जिसके कारण बड़े कुख्यात अपराधी लीपापोती से बेल पा जाते हैं। सबसे गंभीर आरोप पुलिस द्वारा मानवाधिकार हनन का है। ज्ञापन में 23 फरवरी 2026 को चास के वन विश्रामागार मतदान केंद्र (वार्ड 32) पर हुई घटना का विस्तार से जिक्र है। चास नगर निगम चुनाव के दौरान मतदान में कथित गड़बड़ी के विरोध में पूर्व पार्षद रामाशंकर सिंह और उनकी पत्नी (पार्षद प्रत्याशी रेखा देवी) के साथ पुलिस की नोंकझोंक हुई। आरोप है कि एसडीपीओ प्रवीण कुमार सिंह के घायल होने के बाद रामाशंकर सिंह को हिरासत में लेकर बेरहमी से पीटा गया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और वे बिना सहारे के चल भी नहीं पा रहे थे। चास थाना कांड संख्या 12/2026 में उन्हें फर्जी आरोप लगाकर जेल भेज दिया गया। बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने झारखंड विधानसभा में इस मामले को उठाया, पुलिस की बर्बरता और पक्षपातपूर्ण कार्रवाई की निंदा की तथा उच्च स्तरीय जांच की मांग की। उन्होंने इशारे-इशारे में एक अपराधी को बोकारो पुलिस का दामाद या फूफा बताया। विधायक ने दावा किया कि जेल में रामाशंकर सिंह को हाई डोज एंटीबायोटिक्स दिए जा रहे हैं, जिससे उनके आंतरिक अंगों को नुकसान का खतरा है। इसे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 21 और 22 का उल्लंघन बताया गया। पुलिस एसोसिएशन ने विधायक के बयानों को अमर्यादित बताकर माफी की मांग की और चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी, जिससे पुलिस-राजनीति के बीच तनाव बढ़ गया है। ज्ञापन में मुख्यमंत्री से अपील की गई है कि बोकारो की कानून-व्यवस्था पर व्यक्तिगत संज्ञान लें, उच्च स्तरीय जांच समिति गठित करें, दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। पूर्व पार्षद रामाशंकर सिंह की जेल में स्वतंत्र शारीरिक जांच कराई जाए और फर्जी मुकदमे से उन्हें मुक्त किया जाए। अपराध नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए तथा पुलिस को जन-केंद्रित बनाने के लिए प्रशिक्षण और सख्त दिशा-निर्देश दिए जाएं। समिति ने चेतावनी दी कि यदि तत्काल सुधार नहीं हुए तो लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे और बड़ा आंदोलन हो सकता है। लोकतंत्र में आवाज उठाने वालों को फर्जी मुकदमों में फंसाया जा रहा है, जिससे जनता में गहरा आक्रोश है। बोकारो पुलिस ने आरोप खारिज करते हुए कहा कि रामाशंकर सिंह ने मतदान केंद्र पर हंगामा किया, एसडीपीओ को घायल किया और कार्रवाई उचित थी। मुख्यमंत्री कार्यालय से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने, विधानसभा बहस और पुलिस संगठनों के बयानों से राज्य स्तर पर चर्चा तेज हो गई है।

होली के पावन पर्व की हार्दिक बधाई...शुभकामनाएं

रंगों के पर्व होली के उपलक्ष्य में 3 मार्च और 4 मार्च 2026 को कार्यालय में अवकाश रहेगा। अखबार का अगला अंक 6 मार्च 2026 को प्रकाशित होगा। सभी पाठकों को होली की रंगारंग शुभकामनाएं। सं.

नागपुर फैक्ट्री ब्लास्ट

21 डॉयरेक्टर्स के खिलाफ केस, 9 लोग गिरफ्तार

- दो और घायलों ने इलाज के दौरान दम तोड़, मृतक संख्या 19 हुई

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में नागपुर जिले के राउलगांव स्थित गोला-बारूद निर्माण कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में रविवार को हुए धमाके से घायल दो और लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इससे मृतकों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है। उधर, पुलिस ने एसबीएल एनर्जी लिमिटेड के नौ डॉयरेक्टर्स को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने कंपनी के 21 डॉयरेक्टर्स और शेयरधारकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि 23 अन्य घायल श्रमिकों का यहां के अस्पतालों में इलाज चल रहा है। धमाका नागपुर जिले की कटोल तहसील के राउलगांव स्थित खनन और औद्योगिक विस्फोटक निर्माता कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड की डेटोनेटर पैकिंग इकाई में हुआ। पुलिस ने बताया कि शव बुरी तरह जल चुके हैं और उनकी पहचान करने के लिए परिवार के सदस्यों के डीएनए नमूने लिए जा रहे हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विस्फोट के कारणों की गहन जांच के आदेश दिए हैं।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर आरएसएस का आया बड़ा बयान

- संघ ने कहा-युद्ध हो तो सत्य के लिए,न कि स्वार्थ के लिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल-अमेरिका द्वारा तेहरान पर किए गए संयुक्त हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की मौत हो गई है। अब ईरान ने भी पलटवार करते हुए खाड़ी के कई देशों में स्थित अमेरिकी बेस पर हमला किया है। वर्तमान में मिडिल ईस्ट में बेहद तना का माहौल है। पश्चिमी एशिया में जारी तनाव पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रतिक्रिया सामने आई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने पश्चिमी एशिया में जारी तनाव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हम कामना करते हैं कि दुनिया भर शांति स्थापित हो। यदि युद्ध होते भी हैं तो वह सत्य के लिए हो, स्वार्थों के लिए युद्ध न हो। उन्होंने कहा, युद्ध की जद में फंसे वे लोग, जो अभी दूसरे देश में हैं वो जल्द सुरक्षित वापस आएं।

2 से 3 सितंबर 2026 तक रांची में आयोजित होगा 'मतदाता पंजीकरण एवं मतदाता पंजी' सम्बंधित विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड एवं सेंट्रल यूनिवर्सिटी के तत्वाधान में आयोजित किया जायेगा सम्मेलन
- आईआईएम, रांची, एनयूएसआरएल, रांची एवं संत जेवियर्स कॉलेज नॉलेज पार्टनर के रूप में होंगे सम्मिलित

दैनिक अलग पहचान, वरिष्ठ संवाददाता, रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि आगामी 2 से 3 सितंबर 2026 तक रांची में 'मतदाता पंजीकरण एवं मतदाता पंजी' सम्बंधित विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। मुख्य निर्वाचन कार्यालय झारखंड के साथ सेंट्रल यूनिवर्सिटी झारखंड द्वारा सम्मिलित रूप से इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को आयोजित किया जा रहा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी उक्त अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हेतु वेबसाईट www.icvrvr.org ब्राउचर लॉन्चिंग एवं सम्मेलन से सम्बंधित विभिन्न रूपरेखाओं पर सोमवार को निर्वाचन सदन में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

के रवि कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में आईआईएम, रांची, एनयूएसआरएल, रांची एवं संत जेवियर्स कॉलेज नॉलेज पार्टनर के रूप में जुड़कर सम्मिलित रूप से कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य 'मतदाता पंजीकरण एवं मतदाता पंजी' विषय पर विभिन्न लोकतांत्रिक देशों एवं देश के विभिन्न यूनिवर्सिटी, शिक्षाविदों, निर्वाचन संबंधी मास्टर ट्रेनर के अभिव्यक्तियों को एकत्रित करते हुए एक विस्तृत प्रतिवेदन तैयार करना है।

विदित हो कि 21 से 23 जनवरी तक भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भारत मंडपम में आयोजित IICDEM अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन सम्मेलन 2026 में झारखंड राज्य के द्वारा 'मतदाता पंजीकरण एवं मतदाता पंजी' विषय पर व्याख्यान दिया गया था, जिसकी अन्य देशों से आए चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रतिनिधियों द्वारा सराहना की गई थी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, ट्रेनिंग नोडल देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज ठाकुर, आईआईएम, रांची के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुभ्रा रजत बलबंतरे, एनयूएसआरएल, रांची के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आनंदकुमार आर. शिंदे, एवं संत जेवियर्स कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी. के सिन्हा एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आशुतोष कुमार पाण्डेय उपस्थित थे।

रांची में 11 से 13 मार्च तक आयोजित होगी नेशनल रैपिड एवं नेशनल ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप 2025-26

दैनिक अलग पहचान, रांची रिपोर्टर रांची। झारखंड की राजधानी रांची में 11 से 13 मार्च 2026 तक सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची में नेशनल रैपिड एवं नेशनल ब्लिट्ज चेस चैंपियनशिप 2025-26 का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता देशभर के शीर्ष शतरंज खिलाड़ियों को एक मंच पर लाएगी। इस प्रतियोगिता में लगभग 250 शीर्ष रैंक प्राप्त खिलाड़ी भाग लेंगे, जिनमें 50 अंतरराष्ट्रीय मास्टर (IM) एवं ग्रैंडमास्टर (GM) रैंकधारी खिलाड़ी शामिल होंगे। प्रतियोगिता फिडे (FIDE) नियमों के अनुसार आयोजित की जाएगी। कुल 6.5 लाख रुपये की आकर्षक पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है।

इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन का उद्देश्य बौद्धिक प्रतिस्पर्धा, रणनीतिक सोच एवं खेल भावना को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सोशल मीडिया अभियान, प्रेस कवरेज एवं लाइव स्ट्रीमिंग की भी व्यवस्था की जाएगी। टूर्नामेंट की जानकारी देते हुए संरक्षक मंडल के प्रमुख राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने बताया कि टूर्नामेंट की रैपिड कैटेगरी में 25 खिलाड़ियों को 4 लाख रु. एवं ब्लिट्ज कैटेगरी में 15 खिलाड़ियों को ढाई लाख रुपए की इनामी राशि प्रदान की जाएगी। आयोजन समिति ने विभिन्न श्रेणियां में स्पॉन्सरशिप के लिए भी आमंत्रण दिया है। टाइटल स्पॉन्सर, को-स्पॉन्सर, सब-स्पॉन्सर एवं एसोसिएट स्पॉन्सर के रूप में सहयोग करने वाले संस्थानों एवं संगठनों को व्यापक ब्रांड विजिबिलिटी एवं प्रचार का अवसर प्रदान किया जाएगा। आयोजन से जुड़े अन्य पदाधिकारियों में इवेंट कन्वेनर मनीष कुमार, महासचिव नवजोत अलंग, कोषाध्यक्ष सतीश कुमार, मृदुल कुमार, आशीष कुमार, अमित चरण एवं भी प्रतियोगिता की घोषणा के अवसर पर शामिल हुए। आयोजकों ने बताया कि यह प्रतियोगिता झारखंड में शतरंज के विकास को नई दिशा देगी तथा राज्य को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर सशक्त पहचान दिलाएगी।

बंगाल में जांच के घेरे में 60 लाख वोटर

मुर्शिदाबाद और मालदा में 19 लाख के डॉक्यूमेंट्स पेंडिंग

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद शनिवार को फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी है। लिस्ट के मुताबिक, राज्य के करीब 60.06 लाख वोटर्स के दस्तावेज अभी भी जांच के घेरे में हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या मुस्लिम बहुल और सीमावर्ती जिलों की है। आयोग ने राज्य की मतदाता सूची से कुल 63.66 लाख नाम हटा दिए हैं। बंगाल के कुल वोटर्स की संख्या 7.66 करोड़ से घटकर 7.04 करोड़ रह गई है। वहीं भाजपा ने इसे घुसपैठियों के खिलाफ निर्णायक जंग करार दिया है। चुनाव आयोग के डेटा के अनुसार, मुर्शिदाबाद जिले में सबसे ज्यादा 11.01 लाख वोटर्स ऐसे हैं जिनकी स्क्रूटनी अभी पेंडिंग है। इसके ठीक बाद मालदा का नंबर आता है, जहां 8.28 लाख वोटर्स के दस्तावेजों की न्यायिक अधिकारियों द्वारा जांच की जानी बाकी है।

भारतीयों की सुरक्षा के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम करेंगे

- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा,पश्चिम एशिया के हालात बहुत चिंताजनक हैं
- इजराइल-ईरान जंग का असर,भारत में 2 दिन में 760+फ्लाइट कैंसिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल-ईरान जंग के कारण बीते दो दिन में भारत में 760+ इंटरनेशनल फ्लाइट्स कैंसिल हो चुकी हैं। सोमवार को भी दिल्ली के दिल्ली एयरपोर्ट पर 87 फ्लाइट कैंसिल रहीं। दिल्ली, मुंबई, कोच्ची, बेंगलुरु, चेन्नई, जयपुर, अहमदाबाद जैसे इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स पर हजारों यात्री फंसे हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज जंग पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा-पश्चिम एशिया में के हालात चिंताजनक हैं। भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम करेगा। हम बातचीत से समस्या का समाधान निकालने के पक्ष में हैं। मोदी ने आज दिल्ली में हैदराबाद हाउस में कनाडा के पीएम मार्क कार्नी से मुलाकात के बाद यह बात कही। इधर, जम्मू-कश्मीर में लगातार दूसरे दिन ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत पर विरोध प्रदर्शन जारी हैं। श्रीनगर के बेमिना इलाके में सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस भी छोड़ी। कुछ लोगों को हिरासत में लिया। शोपियां, बारामूला, बांदीपोरा में लोगों ने बाजार बंद रखा है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच लगातार दो दिन से जंग और मिडिल ईस्ट के देशों में फंसे भारतीयों और भारत में सुरक्षा को लेकर 1 मार्च की रात करीब 9.30 बजे पीएम मोदी के आवास पर सुरक्षा समिति की बैठक हुई।

बस्तर में माओवादी गलियारे ध्वस्त, विकास की नई सुबह

- 150 नए एफओबी की स्थापना ने तोड़े 14 अभेद्य गलियारे
- एफओबी अब विकास केंद्र बने, स्थानीय लोगों को जोड़ रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बस्तर का जो क्षेत्र सैकड़ों किलोमीटर तक फैले घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ों और उफनते नदियों से भरा हुआ है, कभी माओवादियों का अभेद्य किला रहा है। यहां चार दशकों तक माओवादी सक्रिय थे, जहां न सड़कें थीं, न बिजली, और न ही पुल। ताड़मेटला में 76 जवानों के बलिदान और बुर्कापाल जैसे हमले इस बात के गवाह हैं कि बस्तर में माओवादी गतिविधियों का प्रभाव कितना गहरा था। वर्ष 2021 में टेकुलगुड़ेम में सुरक्षाबलों पर माओवादियों के हमले ने इस स्थिति में पहली बार निर्णायक बदलाव किया। इस हमले के बाद सुरक्षाबलों ने जंगल में स्थायी उपस्थिति बनाने की रणनीति अपनाई। इसके परिणामस्वरूप पिछले चार वर्षों में 150 नए फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (एफओबी) स्थापित किए गए। वर्तमान में बस्तर रेंज में 320 सुरक्षा कैंप और एफओबी सक्रिय हैं, जो छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, और अन्य अर्धसैनिक बलों द्वारा संचालित हैं। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव के अनुसार, माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में नए एफओबी स्थापित करना युद्ध से कम नहीं है। कैंपों के बीच की दूरी पांच किलोमीटर रखी जाती है।

- **एफओबी रणनीति का प्रभाव केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रहा- गेम-चेंजर बने एफओबी** इस रणनीति का प्रभाव केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रहा। अब ये कैंप समेकित विकास केंद्र बन गए हैं, जहां सड़क निर्माण, मोबाइल कनेक्टिविटी, बैंकिंग सेवाएं, स्वास्थ्य शिविर और शिक्षा का विस्तार संभव हुआ है। स्थानीय आबादी अब शासन-प्रशासन से सीधे जुड़ रही है, जिससे ग्रामीणों में विश्वास बढ़ा है और उग्रवादी समर्थन तंत्र कमजोर हुआ है। सुरक्षा कैंपों की स्थापना ने बस्तर के दुर्गम क्षेत्रों में प्रभावी काम किया है।

अब नहीं रुकेगी भारत को यूरेनियम की सप्लाई

- कनाडा के साथ हुई डील हुई फाइनल,बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कनाडा ने साल 2030 तक आपसी व्यापार को 50 अरब डॉलर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। दोनों देशों ने सोमवार को यूरेनियम आपूर्ति में सहयोग के लिए 2.6 अरब डॉलर के एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए और व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को जल्द अंतिम रूप देने का निर्णय लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच हुई वार्ता के बाद यह फैसला किया गया। यूरेनियम डील से भारत के सिविल न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम के लिए लंबे समय तक फ्यूल की सप्लाई सुनिश्चित होगी। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच लॉन्ग टर्म यूरेनियम सप्लाई के ऐतिहासिक डील हुई है। दोनों देश छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर्स और एडवांस्ड रिएक्टर्स पर भी मिलकर काम करेंगे। वार्ता के बाद दोनों देशों ने कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग का करार भी शामिल है। असैन्य परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति पर सहमति बनी है। मोदी ने कहा कि दोनों देशों ने 2030 तक आपसी व्यापार को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

संक्षिप्त समाचार

बाबूलाल ने पूछा- क्या राज्य में किसी की निजता सुरक्षित नहीं?

रांची, एजेंसी। राज्य के दो वरिष्ठ नौकरशाहों के बीच मोबाइल पर हुई बात का ऑडियो रविवार को सोशल मीडिया में वायरल रहा। बातचीत के केंद्र में राज्य के अधिकारी, विधायक, ईडी के अफसर और पत्रकार हैं। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस ऑडियो पर प्रश्न उठाते हुए सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी है। कहा-दो शीर्ष नौकरशाहों के कथित फोन कॉल का ऑडियो मिला है। मैं इसकी सत्यता पर टिप्पणी नहीं कर रहा हूं। पर सवाल यह नहीं है कि किसने क्या बात की। बल्कि यह है कि यदि 'सत्ता शीर्ष' पर बैठे अधिकारियों के फोन सुरक्षित नहीं हैं, तो क्या मुख्यमंत्री, पक्ष-विपक्ष, मंत्री, विधायक और नौकरशाही और आम नागरिकों की प्राइवेसी सुरक्षित है? उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया- क्या राज्य इसी तरह जासूसी के दम पर चलाया जा रहा है? जब शीर्ष पदों पर बैठे अधिकारी ही एक-दूसरे की जासूसी कर रहे हों या उनके फोन सुरक्षित न हों, तो आम जनता खुद को सुरक्षित कैसे समझे? इसलिए एफआईआर दर्ज कर वायरल ऑडियो की जांच हो।

पॉल्यूशन सेंटर में नगद सहित कई सामानो की चोरी, जांच में जुटी पुलिस

पाकुड़, एजेंसी। नगर थाना क्षेत्र के अंबेडकर चौक के निकट पॉल्यूशन सेंटर में बीती देर रात्रि को चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया. सूचना मिलते ही नगर थाना प्रभारी दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और संचालक सहित आसपास के लोगों से पूछताछ की एवं थाने में घटना की लिखित शिकायत देने की बात कही. मिली जानकारी के मुताबिक पॉल्यूशन सेंटर संचालक संजय मिश्रा बीती रात्रि अपना कार्यालय बंद कर घर चले गये थे और सोमवार की सुबह जब उन्होंने अपना कार्यालय का मुख्य दरवाजा खोला तो वहां का नजारा देख कर हैरान हो गये. उन्होंने घटना की सूचना नगर थाना पुलिस को दी. संजय मिश्रा ने बताया कि चोर पीछे का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे और वहां रखी अलमारी तोड़कर 50 हजार रुपये नकद, एक लैपटॉप, गिफ्ट के लिए रखी गई सोने की बाली और कई जरूरी दस्तावेज चुरा लिए. शहर के बीचो बीच मुख्य सड़क पर कार्यालय में चोरी होने को लेकर स्थानीय लोग व व्यवसायी पुलिस की रात्रि गश्ती पर सवाल उठा रहे हैं. लोगों का कहना है कि पहले घरों में चोरी की घटना घटती थी परंतु अब तो शहर की मुख्य सड़क पर स्थित व्यवसायिक कार्यालय में भी चोरी की घटना घटने लगी है. बता दें कि बीते तीन दिन पूर्व चोरों ने शहरी क्षेत्र में एक मकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया था और नगदी सहित कई सामान अपने साथ ले गये थे. वही नगर थाना प्रभारी अनिल गुप्ता ने बताया कि चोरी की घटना की सूचना मिली है और मामले की जांच की जा रही है.

राजधानी में हाथी का खौफ, रातू के चित्तरकोटा में दहशत

रांची, एजेंसी। झारखंड में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है. राजधानी रांची से सटे रातू थाना क्षेत्र के चित्तरकोटा पतरा गांव में सोमवार सुबह एक जंगली हाथी के पहुंचने से पूरे इलाके में दहशत फैल गई. अचानक हाथी के गांव के पास दिखने से लोग घरों से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं. ग्रामीणों के मुताबिक, आशंका जताई जा रही है कि यह वही हाथी हो सकता है, जिसे हाल के दिनों में राजधानी के हटिया इलाके में भी देखा गया था. हटिया में हाथी के घुस आने के बाद से ही आसपास के ग्रामीण इलाकों में डर का माहौल बना हुआ है, और अब रातू में हाथी की मौजूदगी ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है. हाथी की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई. एहतियातन ग्रामीणों से घरों के भीतर रहने, बच्चों और बुजुर्गों को बाहर न निकलने और हाथी से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की जा रही है. मौके की जानकारी रातू थाना पुलिस और वन विभाग को दे दी गई है. वन विभाग की टीम इलाके में रवाना हो चुकी है और हाथी की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है. बता दें कि जंगली हाथियों का खौफ सिर्फ राजधानी तक सीमित नहीं है. पिछले दिनों चाईबासा और बोकारो में भी हाथियों ने कई इलाकों में कोहराम मचाया था. कहीं फसलों को नुकसान पहुंचा, तो कहीं ग्रामीणों को रातें जागकर बितानी पड़ीं. होली जैसे बड़े त्योहार के माहौल के बीच हाथियों की बढ़ती गतिविधियों ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है. प्रशासन और वन विभाग के सामने चुनौती है कि हाथियों को सुरक्षित तरीके से जंगल की ओर खदेड़ा जाए, ताकि जन-धन की हानि से बचा जा सके. फिलहाल प्रशासन अलर्ट मोड पर है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की जा रही है.

चंद्रग्रहण और मलमास का अद्भुत संयोग, मलमास व चंद्रग्रहण के विशेष योग

पूरी रात खुला रहा बाबा बैद्यनाथ का मंदिर, आज हरिहर मिलन समारोह

देवघर, एजेंसी। मलमास व चंद्रग्रहण के विशेष योग के कारण बाबा बैद्यनाथ मंदिर सोमवार (दो मार्च) को पूरी रात खुला रहा। शाम चार बजे के बाद भक्त बाबा को स्पर्श नहीं कर सकेंगे। इस दौरान गर्भगृह के प्रवेश द्वार बाबा पर गुलाल अर्पित करते हुए बाबा का दर्शन कर सकेंगे।

बाबा मंदिर के ईस्टेट पुरोहित श्रीनाथ पंडित ने होली की तिथियों की औपचारिक घोषणा की। उन्होंने बताया कि उनके जीवनकाल में पहली बार ऐसा दुर्लभ संयोग बना है।

पंडित श्रीनाथ के अनुसार देशभर में तीन व चार मार्च को होली मनाई जाएगी, लेकिन तिथि गणना के आधार पर बाबा नगरी में दो से चार मार्च तक लगातार तीन दिनों तक होली का उत्सव चलेगा। परंपरा के अनुसार बाबा नगरी में पांच मार्च को बासी होली भी मनाई जाएगी।

इस वर्ष सूखी होली की शुरुआत सोमवार को बाबा को गुलाल अर्पित करने के साथ शुरू होगी। दिनभर जलार्पण के बाद अपराह्न साढ़े तीन बजे बाबा का पट बंद कर दिया जाएगा। इसके बाद शाम चार बजे फिर से पट खोला जाएगा। मंदिर के महंत सरदार पंडा श्रीश्री गुलाब नंद ओझा बाबा पर गुलाल अर्पित कर सूखी होली की शुरुआत करेंगे।

तीन मार्च की शाम 5:47 बजे से 6:48 बजे तक चंद्रग्रहण का भी संयोग बन रहा है। मंदिर का पट शाम चार बजे ही बंद कर दिया जाएगा। ईस्टेट पुरोहित के अनुसार, बाबा के मस्तक पर चंद्रमा विराजमान होने के कारण यहां सूतक काल का प्रभाव नहीं पड़ता है।

चंद्रग्रहण समाप्त होने के बाद स्नान कराने व मंदिर की शुद्धि के पश्चात शाम करीब साढ़े सात बजे शृंगार पूजा के लिए कपाट फिर से खोला जाएगा। इस दुर्लभ संयोग व विस्तारित उत्सव को लेकर बाबा नगरी में उत्साह का माहौल है। श्रद्धालु भी इस ऐतिहासिक होली के साक्षी बनने को काफी उत्सुक हैं, जहां आस्था, परंपरा व ज्योतिषीय संयोग का अनूठा संगम उन्हें देखने को मिलेगा।

पंडित श्रीनाथ ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार सूर्योदय तक रात्रि का ही प्रभाव माना जाता है। ऐसे में इस वर्ष अंग्रेजी तिथि के अनुसार तीन मार्च, मंगलवार की सुबह 5:11 बजे विधि-विधान से होलिका दहन किया जाएगा। इसके बाद डोली पर विराजमान राधा-कृष्ण को हरिहर मिलन के लिए बाबा मंदिर लाया जाएगा।

निर्धारित समय पर सुबह छह बजे भगवान कृष्ण को बाबा के गर्भगृह में ले जाकर हरिहर मिलन की परंपरा संपन्न कराई जाएगी। इस अलौकिक दृश्य को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं गर्भगृह में मौजूद रहेंगे।

हरिहर मिलन के दौरान जयकारों के बीच श्रद्धालु गुलाल अर्पित करेंगे। परंपरा के बाद मंदिर की सफाई कर सुबह करीब 6:15 बाबा का शृंगार पूजन कर पट बंद कर दिया जाएगा। भीतरखंड स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में विशेष पूजा और छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। सुबह करीब नौ बजे पुनः मंदिर का पट खोलकर कांचाजल चढ़ाया जाएगा, पूजा और दैनिक सरकारी पूजा के बाद दस बजे से बाबा भोले पर आम भक्तों के लिए जलार्पण शुरू होगा।

बाबा नगरी में बाबा बैद्यनाथ के स्थापना दिवस के रूप में हरिहर मिलन मनाया जाता है। हरिहर मिलन की परंपरा बारह ज्योतिर्लिंगों में सिर्फ बाबा बैद्यनाथ मंदिर में ही है।

पुराण व शास्त्रों के साथ ही आदि गुरु शंकराचार्य ने भी प्रमाणित तौर पर कहा है कि रावण जब बाबा के शिवलिंग को लंका ले जाया जा रहा था। उस दौरान फाल्गुन मास पूर्णिमा तिथि पर ही रावण को तेज लघुशंका का एहसास हुआ।

झारखंड के बाबा नगरी में ही रावण ने मनुष्य रूप में मौजूद भगवान विष्णु के हाथ में शिवलिंग को सौंपा था, जिसे उन्होंने धरती पर रखा था। उसी दिन बाबा मंदिर की यहां पर स्थापना हुई।

बाबा की इस पावन धरती पर हरि यानी विष्णु एवं हर यानी महादेव का मिलन भी हुआ। इसके साथ ही स्थापना दिवस को हरिहर मिलन के तौर पर मनाने की परंपरा रही है।

इस अवसर पर बाबा मंदिर के भीतरखंड स्थित राधा-कृष्ण मंदिर से डोली में भगवान राधा-कृष्ण को सवार कर ढोल-नगाड़ों के साथ आजाद चौक स्थित दोल मंच तक ले जाया जाएगा।

झारखंड के 14 जिलों तक बढ़ेंगी आधार सेवाएं, नजदीकी केंद्र पर नागरिकों को मिलेगी सुविधा

रांची , एजेंसी। झारखंड में आधार सेवाओं का दायरा अब तीन से बढ़ाकर 14 जिलों तक किया जाएगा। कुल 68 किट्स के माध्यम से राज्यभर में सेवाएं संचालित होंगी, जिससे अधिकाधिक नागरिकों को उनके नजदीकी केंद्र पर सुविधा मिल सकेगी। इसी क्रम में सरायढेला, धनबाद स्थित आधार सेवा केंद्र (एएसके) का निरीक्षण भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी भुवनेश कुमार ने किया।

यह केंद्र प्रोटियन ई-गव टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड द्वारा संचालित है, जहां सभी आयु वर्ग के लिए नामांकन और विभिन्न प्रकार के अपडेट की सुविधाएं उपलब्ध हैं। निरीक्षण के दौरान आधार नामांकन, बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट, जनसांख्यिकीय संशोधन, मोबाइल नंबर व ईमेल अपडेट की प्रक्रियाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों के साथ कतार प्रबंधन, परिचालन दक्षता और मानक संचालन प्रक्रिया के पालन पर चर्चा की गई। केंद्र पर मौजूद नागरिकों से सेवाओं की गुणवत्ता व समयबद्धता को लेकर फीडबैक भी लिया गया। यूआईडीएआई ने डेटा सुरक्षा और गोपनीयता मानकों के कड़ाई से पालन पर विशेष जोर दिया।

68 किट्स के जरिए आधार सेवाओं का विस्तार होने से ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों के लोगों को अब जिला मुख्यालय तक नहीं आना पड़ेगा। बच्चों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट, मोबाइल नंबर लिंकिंग और जनसांख्यिकीय सुधार जैसी सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी। इससे भीड़ कम होगी, समय की बचत होगी और सेवा वितरण प्रणाली अधिक पारदर्शी व सुलभ बनेगी।

रांची सिविल कोर्ट को फिर बम से उड़ाने की मिली धमकी, आरडीएक्स से विस्फोट की चेतावनी के बाद हाई अलर्ट

रांची, एजेंसी। कचहरी चौक स्थित सिविल कोर्ट को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस बार अज्ञात शख्स द्वारा भेजे गए ईमेल में आरडीएक्स से विस्फोट करने की बात कही गई है।

धमकी भरा मेल मिलते ही पुलिस और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया तथा पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। सूचना मिलते ही रांची पुलिस की टीम तुरंत सक्रिय हो गई। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में सिविल कोर्ट परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया गया।

बम निरोधक दस्ता (बीडीडीएस) और डाग स्क्वाड की टीमों ने कोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच की। सुरक्षा के मद्देनजर कोर्ट परिसर को कुछ समय के लिए पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया।

एहतियातन कुछ देर के लिए मुख्य प्रवेश द्वार को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया, लेकिन बाद में खोल दिया गया। जबकि फोर्टिज कोर्ट और रांची जिला बार भवन की ओर जाने वाले प्रवेश और निकास द्वारों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए। कोर्ट परिसर में आने-जाने वालों की सघन जांच की गई।

एसएसपी राकेश रंजन ने कहा कि जो भी व्यक्ति इस तरह का धमकी भरा मेल भेज रहा है, उसे किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने बताया कि ईमेल के स्रोत का पता लगाने के लिए साइबर सेल की मदद ली जा रही है और तकनीकी जांच जारी है। बार-बार धमकी भरे मेल आने की घटनाओं को गंभीरता से लिया जा रहा है तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इससे पहले 6 फरवरी को भी सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। लगातार मिल रही धमकियों ने पुलिस और प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है।

फिलहाल तलाशी अभियान में किसी संदिग्ध वस्तु के मिलने की सूचना नहीं है, लेकिन पुलिस सतर्कता बरतते हुए पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। प्रशासन ने आम नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है।

होली पर 4 मार्च को ओपीडी रहेगी बंद, रिम्स और सदर में इमरजेंसी चालू रहेंगी

रांची, एजेंसी। होली के दौरान संभावित दुर्घटनाओं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को देखते हुए शहर के अस्पतालों ने विशेष तैयारी कर ली है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, इमरजेंसी वार्ड में पर्याप्त संख्या में डॉक्टर और नर्स मौजूद रहेंगे, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत इलाज मिल सके। वहीं, गंभीर मामलों के लिए जरूरी दवाइयों और उपकरणों की भी व्यवस्था कर ली गई है। ब्लड बैंक को भी अतिरिक्त ब्लड की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं।

रंगों और नशापान के कारण होने वाली घटनाओं से निपटने के लिए डॉक्टरों और पारामेडिकल स्टाफ की अतिरिक्त ड्यूटी लगाई गई है। होली के अवसर पर सिर्फ 4 मार्च को रिम्स और सदर अस्पताल रांची में ओपीडी सेवाएं बंद रहेंगी। हालांकि मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इमरजेंसी सेवाएं पूरी तरह चालू रहेंगी।

अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए डॉक्टर, नर्स और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को ड्यूटी पर तैनात किया गया है। होली के दौरान अक्सर लोग नशापान कर वाहन चलाते हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा रंगों के कारण त्वचा संबंधी समस्याएं और आंखों में जलन या संक्रमण की शिकायतें भी सामने आती हैं। कई बार होलिका दहन के दौरान लोग लापरवाही के कारण झुलस जाते हैं। इन्हीं संभावित स्थितियों को देखते हुए अस्पतालों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

रांची के डिप्टी मेयर के लिए राजनीतिक कवायद तेज, रेस में सुनील यादव और एहतेशाम समेत ये पार्षद

रांची, एजेंसी। झारखंड के रांची नगर निगम चुनाव का परिणाम घोषित होने के साथ ही नगर की राजनीति नए दौर में प्रवेश कर गई है। मेयर पद का फैसला होने के बाद अब डिप्टी मेयर की कुर्सी को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है।

डिप्टी मेयर का चुनाव नवनिर्वाचित पार्षदों को करना है। पार्षद पद के घोषित परिणामों में भाजपा, कांग्रेस, जेएमएएम समर्थित उम्मीदवारों को बढ़त मिली है, जिससे डिप्टी मेयर पद पर भी पार्टी का दावा मजबूत माना जा रहा है।

डिप्टी मेयर चुने जाने के लिए 53 वार्डों में से कम से कम 27 पार्षदों का समर्थन आवश्यक है। परिणामों के बाद तीनों दलों के खेमे में इस आंकड़े को साधने की कवायद शुरू हो गई है।

तीन या उससे अधिक बार पार्षद रह चुके और इस बार भी जीत दर्ज करने वाले नेताओं की दावेदारी मजबूत मानी जा रही है। पार्टी नेतृत्व ऐसे चेहरे की तलाश में है, जो संगठन और पार्षदों के बीच संतुलन बनाकर चल सके।

मेयर पद अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित होने के कारण डिप्टी मेयर पद के लिए गैर-आदिवासी चेहरे की संभावना भी प्रबल मानी जा रही है। डिप्टी बनने के लिए तीनों दलों से एक दर्जन से अधिक पार्षद डिप्टी मेयर बनने के लिए जोर आजमाइश शुरू कर दी है।

कांग्रेस और झामुमो समर्थित पार्षदों ने भी बैठकें शुरू कर दी हैं। हालांकि संख्या बल के लिहाज से वे पीछे माने जा रहे हैं, फिर भी डिप्टी मेयर चुनाव में संभावित क्रास वोटिंग और रणनीतिक समर्थन को लेकर चर्चाएं जारी हैं।

झामुमो की ओर से भी डिप्टी मेयर पद पर दावा ठोकने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा रहा है, खासकर यदि विपक्ष एकजुट होता है।

इसके बाद सबसे 53 पार्षदों में सबसे अधिक वोट (5226) से जीत कर आए वार्ड-22 के पार्षद मो. असलम भी डिप्टी मेयर के लिए अपना नाम आगे कर दिया है। मो. असलम जेएमएम समर्थित पार्षद हैं।

कांग्रेस समर्थित वार्ड-49 से लगातार दूसरी बार जीतने वाले जमीला खातून भी डिप्टी मेयर की रेस में हैं। द्य वार्ड-18 से लगातार तीसरी बार जीतने वाली कांग्रेस समर्थित आशा गुप्ता रेस में हैं।

उन्होंने राज्यसभा सदस्य महुआ माजी के पुत्र सोमवित माजी को हराया है। सोमवित जेएमएम से डिप्टी मेयर के प्रबल प्रत्याशी माने जा रहे थे। द्य वार्ड-17 से जीत कर आए मो. सलाउद्दीन भी डिप्टी मेयर की रेस में हैं।

कोडरमा में बच्चा चोर अफवाह में विक्षिप्त युवक की पिटाई

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले में बच्चा चोर की अफवाहों के चलते अज्ञात लोगों की पिटाई के कई मामले सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला सोमवार सुबह तिलैया थाना क्षेत्र के मोरियावां गांव में सामने आया, जहां ग्रामीणों ने एक अज्ञात युवक को बच्चा चोर समझकर उसकी पिटाई कर दी।

मोरियावां के पूर्व वार्ड पार्षद बलराम यादव ने बताया कि सोमवार सुबह गांव के लोग टहलने निकले थे। उन्होंने एक अज्ञात युवक को घरों में ताक-झांक करते देखा, जिससे उन्हें संदेह हुआ। इसके बाद ग्रामीणों को इकट्ठा किया गया।

ग्रामीणों ने युवक को पकड़ लिया और उससे पूछताछ की। युवक स्पष्ट रूप से कुछ भी नहीं बता पाया, जिससे ग्रामीण आक्रोशित हो गए। कठोर पूछताछ के बाद युवक ने बताया कि वह झुमरीतिलैया के वार्ड नंबर 01, नरेश नगर का निवासी है, हालांकि उसने अपना नाम नहीं बताया। इसके बाद ग्रामीणों ने तिलैया पुलिस को घटना की सूचना दी।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को अपने साथ थाने ले आई। थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि जांच में युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त पाया गया।

पुलिस ने विक्षिप्त युवक को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया है। थाना प्रभारी ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को देखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें और कानून अपने हाथ में न लें, क्योंकि मारपीट करना कानूनी अपराध है।

'कोलकाता से जयपुर' और 'सियालदह से दिल्ली' के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

देवघर, एजेंसी। होली के पर्व के दौरान यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने अतिरिक्त ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इसके तहत रेलवे ने कोलकाता से जयपुर, आसनसोल से जयपुर और सियालदह से दिल्ली के लिए एकतरफा अनारक्षित होली विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। यह पहल विशेष रूप से अल्प सूचना पर यात्रा करने वाले तथा अंतिम समय में यात्रा की योजना बनाने वाले यात्रियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी।

03115 कोलकाता - जयपुर एकतरफा अनारक्षित होली विशेष ट्रेन दिनांक दो मार्च को 23:55 बजे कोलकाता से प्रस्थान करेगी। वहीं दिनांक 4 मार्च को 11:50 बजे जयपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन मार्ग में पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल क्षेत्र के अंतर्गत दुर्गापुर एवं आसनसोल स्टेशनों पर ठहरेगी।

03535 आसनसोल - जयपुर एकतरफा अनारक्षित होली विशेष ट्रेन दिनांक तीन मार्च को 12:30 बजे आसनसोल से प्रस्थान करेगी तथा दिनांक पांच मार्च को 01:00 बजे जयपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन मार्ग में पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल क्षेत्र के अंतर्गत चित्तरंजन, जामताड़ा, मधुपुर एवं जसीडीह स्टेशनों पर ठहरेगी। होली के दौरान यात्रियों की ज़्यादा भीड़ को कम करने के लिए, ईस्टर्न रेलवे ने सियालदह से दिल्ली के लिए वन वे अनारक्षित स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है।

03111 सियालदह - दिल्ली वन वे अनारक्षित होली स्पेशल एक मार्च को सियालदह से 15:30 बजे निकलेगी और अगले दिन सात बजे दिल्ली पहुंचेगी।

ट्रेन रास्ते में ईस्टर्न रेलवे के अधिकार क्षेत्र में नैहाटी, बंदेल, बर्द्धमान, बोलपुर, सैंथिया, रामपुरहाट, बरहरवा, साहिबगंज, कहलगांव, भागलपुर, सुल्तानगंज और मुंगेर स्टेशनों पर रुकेगी।

समाजसेवियों ने दुमका सांसद नलिन सोरेन को ज्ञापन देकर देवघर से चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को दुमका से जोड़ने का अनुरोध किया है। समाजसेवी सुरेश प्रसाद मेहता, दुर्गेश चौधरी, अजीत कुमार मांझी आदि ने सांसद को बताया कि धार्मिक तीर्थ स्थलों के सुगम दर्शन कराने के लिए वंदे भारत ट्रेन रोज देवघर से वाराणसी तक चलती है।

इस ट्रेन का मुख्य उददेश्य बाबाधाम को काशी विश्वनाथ मंदिर से जोड़ना है। पर इस ट्रेन से दुमका का प्रमुख धार्मिक और तीर्थस्थल बासुकीनाथ वंचित रह गया है। यहां के लोगों को वाराणसी जाने के लिए देवघर से ट्रेन पकड़नी पड़ती है। इससें काफी असुविधा होती है। अगर यह ट्रेन दुमका रेलवे स्टेशन से वाराणसी तक चलती है तो उपराजधानी के लोगों को काफी लाभ मिलेगा। समाजसेवियों ने सांसद इस संबंध में आवश्यक पहल करने का आग्रह किया है।

संक्षिप्त समाचार

भरकट्टा के व्यवसायी से जेवरात समेत 7 लाख 50 हजार की लूट

गिरिडीह, एजेंसी। बिरनी प्रखंड के भरकट्टा ओपी क्षेत्र के भलुवा के पास भरकट्टा–केंदुवाडीह के सोना चांदी व्यवसायी शिवशंकर स्वर्णकार से शनिवार देर शाम लगभग आठ बजे अज्ञात अपराधियों ने रिवाल्वर की नोंक पर साढ़े तीन लाख नगदी समेत चार लाख रुपये मूल्य का सोना चांदी का आभूषण लूट लिया और आराम से फरार हो गये। पीड़ित ने किसी तरह भरकट्टा ओपी पहुंचकर ओपी प्रभारी को घटना की जानकारी दी। ओपी प्रभारी अमन सिंह घटना की जांच करने में जुटे हुए हैं। बताया जा रहा है कि प्रत्येक दिन के तरह पीड़ित शिवशंकर स्वर्णकार सरिया अपना दुकान से वापस अपने घर बाइक से आ रहा था। इसी बीच यह घटना घटी। जानकारी के अनुसार अपराधियों ने सरिया से ही पीड़ित का पीछा कर भरकट्टा ओपी क्षेत्र के भलुवा गांव के समीप सुनसान स्थान पर इस घटना को अंजाम दिया। पीड़ित ने बताया कि सरिया से ही पीछे से एक बाइक पर तीन लोग सवार होकर पीछा कर रहे थे। अचानक उक्त स्थान के पास बाइक को ओवरटेक कर रोक दिया और पीड़ित को रिवाल्वर सटा दिया। इस दौरान अपराधियों ने बाइक की चाभी और मोबाइल भी छीन लिया। बाइक की डिकी में बैग में रखा साढ़े तीन लाख नगदी व चार लाख के जेवरात लूटकर चलते बने।

रांची में कुड़मी समाज की महारैली, एसटी दर्जा और भाषा मान्यता की मांग तेज

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के धुर्वा स्थित प्रभात तारा मैदान में रविवार को बृहद झारखंड कुड़मी समन्वय समिति के बैनर तले विशाल कुड़मी अधिकार महारैली आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के मुख्य संयोजक शीतल ओहदार ने की। संचालन राजेंद्र महतो और सखीचंद महतो ने संयुक्त रूप से किया। महारैली में कुड़मी समाज को अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल करने और कुड़माली भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान देने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई रैली में विधायक नागेंद्र महतो, शिक्षाविद डॉ. अमर कुमार चौधरी, पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो, पूर्व जैक अध्यक्ष डॉ. अनिल महतो, उड़ीसा कुड़मी सेना के अध्यक्ष जामुनी मोहंता और युवा समाजसेवी देवेंद्र नाथ महतो सहित कई सामाजिक और राजनीतिक हस्तियां शामिल हुईं। बड़ी संख्या में महिला और पुरुष पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे। छऊ, झूमर और पैका नृत्य के जरिए समाज की सांस्कृतिक पहचान प्रस्तुत की गई। आयोजकों के अनुसार रैली में लाखों लोगों की भागीदारी रही। सभा को संबोधित करते हुए शीतल ओहदार ने कहा कि कुड़मी समाज को आजादी के बाद से ही संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 1950 में साजिश के तहत समाज को जनजातीय सूची से बाहर कर पिछड़ा वर्ग में शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि अब समाज अपना अधिकार लेकर रहेगा। पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने केंद्र सरकार को चेतावनी दी कि मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो पूरे झारखंड में आर्थिक नाकेबंदी आंदोलन शुरू किया जाएगा। शिक्षाविद डॉ. अमर कुमार चौधरी ने संविधान के अनुच्छेद 342 का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐतिहासिक आधार पर कुड़मी समाज अनुसूचित जनजाति में शामिल होने की सभी अर्हताएं पूरी करता है। उन्होंने लोगों से आगामी जनगणना में जाति 'कुड़मी' और भाषा 'कुड़माली' दर्ज कराने का आह्वान किया।

चतरा के सघरी घाटी में बस पलटी:एक दर्जन से अधिक सवारी घायल

चतरा, एजेंसी। चतरा–डोभी मुख्य मार्ग स्थित सघरी घाटी में बड़ा सड़क हादसा हो गया। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ से गया की ओर जा रही यात्रियों से भरी 'बदन बस' भुईयांडीह–जोरी के बीच एक तीखे मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घाटी क्षेत्र में मोड़ काटते समय चालक बस पर से नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद बस सड़क किनारे जाकर पलट गई। हादसे के वक्त बस में बड़ी संख्या में यात्री सवार थे। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों की चीख-पुकार मच गई। घटना के तुरंत बाद आसपास के ग्रामीण और राहगीर मदद के लिए दौड़े। स्थानीय लोगों ने बस के शीशे तोड़कर और दरवाजे खोलकर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। सूचना मिलते ही वशिष्ठ नगर जोरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य में जुट गई। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से नजदीकी सदर अस्पताल भिजवाया। इस हादसे में करीब एक दर्जन यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से लगभग आधा दर्जन को चतरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक यात्री की हालत गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर किया गया है। घायलों की पहचान जहानाबाद निवासी राकेश कुमार, वजीरगंज (गया) के रंधीर कुमार, डुमरिया के संजीत कुमार, चतरा के सुजीत कुमार, बगरा के कमलेश कुमार और जोरी के अमृत कुमार के रूप में हुई है। बताया गया कि यह बस डुमरिया से दोपहर 1:30 बजे रायपुर के लिए चलती है और रानीगंज, शेरघाटी, डोभी व चतरा होते हुए लंबा सफर तय करती है। हादसे के समय भी बस अपने निर्धारित रूट पर जा रही थी। घटना के बाद प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। क्रेन की मदद से पलटी बस को सीधा करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि मार्ग पर यातायात सामान्य किया जा सके। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर तकनीकी खराबी या चालक की

मल्चिंग तकनीक के साथ मिश्रित खेती का किया प्रयोग, लागत घटा, मुनाफा बढ़ा?

हजारीबाग, एजेंसी। कभी आर्थिक तंगी और शिक्षा के अभाव से जूझता एक साधारण युवक ने? आज अपने क्षेत्र में स्ट्रॉबेरी किसान के रूप में नई पहचान बनाया है। कटकमदाग प्रखंड के ग्राम अडरा टोला? सिमराकोनी निवासी संजीत प्रजापति उर्फ संजीत दिलवाला तूफानी ने संघर्षों को अवसर में बदलकर यह साबित? कर दिया कि दृढ़ इच्छाशक्ति और सही मार्गदर्शन से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है।

जहां कभी? उग्रवादियों की बंदूकें गरजती थी, अब स्ट्रॉबेरी सहित विभिन्न तरह की फसलें लहलहा रही है।संजीत बताते हैं कि? बचपन आर्थिक तंगी में बीता। परिवार में शिक्षा का अभाव था, जिसके कारण वे केवल आठवीं कक्षा तक ही पढ़? सके। इसके बाद रोजगार की तलाश में लगभग दस वर्षों तक विभिन्न शहरों में रहकर जेसीबी चलाने और अन्य? मजदूरी का कार्य किया।

लेकिन बाहर की कमाई से जीवन में कोई ठोस बदलाव नहीं आया। वर्ष 2020 में कोरोना? महामारी ने हालात और भी कठिन बना दिए।कोरोना के बाद उन्होंने अपने खेत की ओर रुख किया। वर्ष 2021 में? उनके गांव में एचडीएफसी बैंक से संपोषित एवं केजीवीके द्वारा संचालित समग्र ग्राम विकास परियोजना की? शुरुआत हुई। इसी परियोजना के तहत उन्हें ड्रिप और मल्चिंग तकनीक के साथ स्ट्रॉबेरी की खेती का प्रशिक्षण? मिला।?

पिछले वर्ष से उन्होंने पुराने पौधों से नए पौधे तैयार कर खेती का? विस्तार किया। साथ ही स्ट्रॉबेरी के साथ लहसुन और गेंदा फूल की मिश्रित खेती भी शुरू की। इससे लागत में? कमी आई और मुनाफा बढ़ा। गेंदा और लहसुन लगाने से कीटों का प्रकोप भी कम होता है, जिससे उत्पादन बेहतर? हुआ है।

शुरुआती दौर में कई चुनौतियां आईं, लेकिन केजीवीके के सहयोग और मार्गदर्शन से उन्होंने खेती को? सफल बनाया। आज वे हर साल औसतन साढ़े तीन से चार लाख तक की फसल बिक्री कर लेते हैं।? समग्र ग्राम विकास परियोजना के तहत गांव में किसान पाठशाला स्थापित की गई, जहां नए फसल, नई तकनीक? और जैविक खेती का प्रशिक्षण लिया। संजीत ने किसान पाठशाला की नर्सरी कक्ष का लाभ उठाकर हर साल एक? लाख से अधिक टमाटर, बैंगन, मिर्च, तरबूज और शिमला मिर्च के पौधों की बिक्री शुरू की है। स्ट्रॉबेरी की सफल? खेती के लिए उन्हें लगातार तीन वर्षों से किसान मेलों में सम्मानित और पुरस्कृत किया गया है। उन्हें कविता-गीतों? के माध्यम से भी स्ट्रॉबेरी खेती को बढ़ावा देने में योगदान दिया है।?

संजीत प्रजापति की सफलता ने आसपास के युवा किसानों को भी प्रेरित किया है। उन्होंने 8वीं तक की शिक्षा प्राप्त? की है। संजीत की यह कहानी बताती है कि सही मार्गदर्शन और आधुनिक तकनीक के साथ खेती भी सम्मानजनक और? लाभकारी व्यवसाय बन सकता है। आज स्ट्रॉबेरी की खेती से न केवल उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है, बल्कि? वे अपने चार बच्चों को बेहतर शिक्षा दिला पा रहे हैं और आधुनिक कृषि यंत्र भी खरीद रहे हैं। उनकी पत्नी संजू? देवी भी खेती के कार्य में पूरा सहयोग देती हैं।?

झारखंड के जुगसलाई में मरीन ड्राइव की तर्ज पर बनेगा नया कॉरिडोर, चेयरमैन नौशीन खान ने बताया विजन

पूर्वी सिंहभूम, एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम जिला स्थित जुगसलाई नगर निकाय की पहली महिला चेयरमैन चुनी गयीं नौशीन खान ने क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर अपना विजन साफ कर दिया है. प्रभात खबर से विशेष बातचीत में उन्होंने बेबाक अंदाज में अपनी प्राथमिकताएं बताते हुए कहा कि जनता ने जिस भरोसे के साथ उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर वे पूरी तरह खरा उतरेंगी. दिलचस्प संयोग यह है कि अब एक ही घर में दो-दो चेयरमैन हैं. नौशीन खान के पति हिदायतुल्लाह खान भी वर्तमान में राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हैं. चेयरमैन नौशीन खान ने कहा कि जुगसलाई में ट्रैफिक की समस्या गंभीर है. इसके स्थायी समाधान के लिए खरकई नदी के किनारे एक विशेष सड़क विकसित करने की योजना है. उन्होंने बताया कि जिस तरह बिष्टुपुर से सोनारी-कदमा तक स्वर्णरेखा नदी किनारे मरीन ड्राइव विकसित किया गया है, उसी तर्ज पर चाईबासा, राजनगर, जिलिंगगोड़ा और बागबेड़ा को जोड़ते हुए जुगसलाई से बिष्टुपुर मुख्य मार्ग तक नया कॉरिडोर बनाया जा सकता है. इससे शहर के मुख्य मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा. नौशीन खान ने कहा कि जुगसलाई में फिलहाल 10वीं तक के ही स्कूल उपलब्ध हैं. उनकी कोशिश होगी कि स्कूलों को प्लस टू तक अपग्रेड कराया जाए, ताकि बच्चों को आगे की पढ़ाई के लिए बाहर न जाना पड़े. इसके साथ ही खेल मैदानों की कमी को दूर करने, महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग वॉकिंग ट्रैक विकसित करने की योजना भी उनके एजेंडे में शामिल है.

होली पर 9500 जवान तैनात, संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ी चौकसी

रांची, एजेंसी। होली के मौके पर विधि-व्यवस्था ड्यूटी संभालने के लिए इस बार झारखंड सशस्त्र पुलिस (जैप), इंडियन रिजर्व बटालियन (आईआरबी) व गृह रक्षा वाहिनी के 9500 से अधिक जवानों की तैनाती कर दी गई है।

इसके अलावा संबंधित जिलों में तैनात वहां के रिजर्व बल को भी होली ड्यूटी पर लगाया गया है। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों को इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है।

रमजान का पाक महीना चल रहा है और इसी बीच होली का त्योहार है। आपसी सौहार्द बनी रहे, इसे ध्यान में रखते हुए सभी संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त तैनाती की गई है। होली के मौके पर सभी धार्मिक स्थलों की सुरक्षा कड़ी करने का निर्देश है, ताकि किसी तरह की कोई समस्या उत्पन्न न हो। पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों को जारी निर्देश में कहा है कि जबरन रंग लगाने, अश्लील गाना बजाने के दौरान कई बार दो गुटों में हिंसक झड़प व खून खराब हो जाती है। इससे पहले पुलिस को सावधानी बरतने की जरूरत है।

अपने खुफिया तंत्र को सक्रिय करें और सभी थानों में सभी जाति-सांप्रदाय के लोगों को आमंत्रित करें, शांति समिति की बैठक कर उनकी बातों को ध्यान ने सुनें। जहां कहीं भी विधि व्यवस्था संबंधित दिक्कत हो, उसे ससमय दुरुस्त करें। पुलिस मुख्यालय ने हजारीबाग, लोहरदगा, पलामू के कुछ क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। पूर्व में होली के मौके पर इन जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश हो चुकी है।

जबरन रंग लगाने व आपत्तिजनक गाना बजाने से आपसी सौहार्द बिगड़ता रहा है। संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को ऐसे स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतते हुए वहां के स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर उनकी समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया गया है। संभावित उपद्रव के कारणों की तलाश कर वहां निरोधात्मक कार्रवाई का भी निर्देश जारी किया गया है।

जोन्हा फॉल के पास 8 मीटर से कम चौड़ी सड़क न बने: हाईकोर्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने रांची के पर्यटन स्थलों तक जाने वाली सड़कों की बदहाल स्थिति पर चिंता जताई है। अदालत ने जोन्हा फॉल के पास मसरीजारा से हेसलाबेड़ा तक कच्ची सड़क को पक्का बनाने के मामले में राज्य सरकार और रेलवे से जवाब मांगा है।

चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद अपने आदेश में कहा है कि जोन्हा फॉल जाने वाले रास्ते में सड़क की चौड़ाई 8 मीटर से कम नहीं होनी चाहिए। सड़क की चौड़ाई इतनी होनी चाहिए कि दो वाहन आसानी से एक-दूसरे को पार कर सकें।

अदालत ने कहा कि इस क्षेत्र में कई पर्यटन स्थल हैं। भविष्य में यातायात बढ़ेगा, ऐसे में मात्र 5 मीटर चौड़ी सड़क जाम की समस्या खड़ी कर सकती है। इसे देखते हुए सड़क की चौड़ाई बढ़ाना जरूरी है।

इससे पहले पक्षकारों ने 5 मीटर चौड़ी सड़क का प्रस्ताव रखा था। रेलवे अधिकारियों ने अपनी भूमि पर 5 से 6 मीटर चौड़ी सड़क निर्माण पर सहमति जताई है।

अदालत ने कहा कि सड़क की चौड़ाई बढ़ाने के लिए जरूरत पड़े तो राज्य सरकार अपनी जमीन उपलब्ध कराए। लेकिन सड़क की चौड़ाई किसी भी स्थिति में आठ मीटर से कम नहीं हो। रेलवे सीमा से बाहर के हिस्सों में भी राज्य सरकार को अपनी जमीन का उपयोग करना होगा। अदालत ने राज्य सरकार को दो सप्ताह के अंदर विस्तृत ले-आउट प्लान तैयार करके रेलवे के पास भेजने का निर्देश दिया है। वहीं, रेलवे प्रशासन को ले-आउट प्लान प्राप्त होने के दो सप्ताह के अंदर एनओसी जारी करने का निर्देश दिया है।

इससे पहले अदालत को बताया गया कि 16 फरवरी को स्थल का संयुक्त निरीक्षण किया गया था। उसका प्रारंभिक रफ स्केच प्रस्तुत किया गया। अदालत ने उसे रिकॉर्ड पर लेने का निर्देश दिया। रेलवे की ओर से शपथपत्र दाखिल करके अदालत को बताया गया कि पक्की सड़क निर्माण के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने को तैयार है, लेकिन एनओसी से पहले अनगड़ा के बीडीओ के साथ संयुक्त निरीक्षण करना जरूरी है। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद सड़क निर्माण की प्रक्रिया मानसून से पहले पूरा करने का निर्देश दिया है। अब मामले की अगली सुनवाई 26 मार्च को होगी।

चलती ट्रेन से उतरने के दौरान युवक घायल

धनबाद, एजेंसी। धनबाद जिले के महुदा रेलवे स्टेशन पर शनिवार को एक युवक चलती ट्रेन से उतरने के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक की पहचान महुदा थाना क्षेत्र के कपूरिया रूदी गांव निवासी सोनू गोप के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोनू गोप गोमो स्टेशन से गोमो-खड़गपुर पैसेंजर ट्रेन में सवार होकर अपने गांव महुदा लौट रहा था। बताया जाता है कि वे अपनी दीदी के घर से वापस आ रहा था। महुदा स्टेशन पर ट्रेन पहुंचते ही उन्होंने जल्दबाजी में उतरने का प्रयास किया। इसी दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वे फिसलकर ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे प्लेटफॉर्म पर गिर पड़े।

हादसे में सोनू के दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई हैं, विशेष रूप से उनके दाहिने पैर की उंगलियां कट चुकी हैं। घटना के बाद स्टेशन पर अफरातफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों और यात्रियों ने तुरंत रेल प्रशासन को सूचना दी। मौके पर पहुंची आरपीएफ और रेलवे कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए घायल युवक को तत्काल रेलवे अस्पताल पहुंचाया।

प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने सोनू की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल रेफर कर दिया। वहां चिकित्सकों की टीम ने जांच के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें रांची के रिम्स रेफर किया। घायल के परिजन दयाल कुमार गोप ने बताया कि सोनू मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। उन्होंने यह भी बताया कि महुदा स्टेशन पर उतरते समय यह हादसा हुआ और फिलहाल सोनू की हालत गंभीर बनी हुई है।

मुख्यमंत्री के खास पंकज मिश्रा किंग मेकर की भूमिका में, विनीता का साहिबगंज नगर परिषद का उपाध्यक्ष बनना तय

साहिबगंज, एजेंसी। झामुमो के केंद्रीय समिति सदस्य सह प्रवक्ता पंकज मिश्रा एक बार पुनः किंग मेकर बनकर उभरे हैं। पिछले दिनों साहिबगंज नगर परिषद अध्यक्ष पद पर रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान को भारी मतों से विजयी बनाने में सफल रहे। अब उपाध्यक्ष पर पर वार्ड एक की पार्षद विनीता कुमारी का निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है।

विनीता कांग्रेस कोटे से है तथा पहले भी उपाध्यक्ष रह चुकी हैं। विनीता देवी के नाम का प्रस्ताव कांग्रेस के वरीय नेताओं ने झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा के समक्ष रखा था।

पंकज मिश्रा झारखंड के संताल की राजनीति में खासा असर रखते हैं। वे झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नजकीदी माने जाते हैं। झारखंड नगर निकाय चुनाव के दौरान उन्होंने झामुमो के लोगों को जिताने के लिए लागातर प्रयास करते रहे। रविवार को सभी निर्वाचित वार्ड पार्षदों को अभिनंदन के बहाने बुलाया गया। इसमें इस मुद्दे पर चर्चा हुई। इस दौरान 28 में से कुल 25 वार्ड पार्षद पहुंचे थे। समारोह में सभी वार्ड पार्षदों को सम्मानित किया गया। मौजूद वार्ड पार्षदों ने सर्वसम्मति से वार्ड एक की वार्ड पार्षद विनिता देवी को उपाध्यक्ष बनाने पर अपनी सहमति दी। विनीता देवी लगातार तीसरी बार वार्ड पार्षद का चुनाव जीतीं हैं।

झारखंड में नगर निकाय के नवनिर्वाचित अध्यक्षों व सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह 12 मार्च को होगा। साहिबगंज में तीन नगर निकाय हैं-साहिबगंज नगर परिषद, राजमहल नगर पंचायत और बरहड़वा नगर पंचायत। तीनों नगर निकाय के लिए अलग- अलग स्थान तय किया गया है।

कलेक्ट्रेट सभागार, सिदो कान्हू सभागार व पंचायती भवन के सभागार में शपथ ग्रहण समारोह होगा। शपथ समारोह के दिन ही तीनों निकायों के उपाध्यक्ष का भी चयन किया जाना है। सभी वार्ड पार्षद आपसी सहमति से अपने सदस्यों के बीच एक सदस्य को उपाध्यक्ष चुनेंगे। सहमति नहीं होने पर मतदान भी कराया जा सकता है। तीनों नगर निकाय के अध्यक्ष को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नप) सह उपायुक्त हेमंत सती शपथ दिलाएंगे। वार्ड पार्षदों का संबंधित नगर निकाय के आरओ शपथ दिलाएंगे।

शपथ ग्रहण के उपरांत तीनों नगर निकाय के उपाध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। विजेता को आरओ द्वारा सर्टिफिकेट दिया जाएगा। उपाध्यक्ष को नगर निकाय के अध्यक्ष द्वारा शपथ दिलाई जाएगी।

शपथ ग्रहण समारोह को सफल बनाने के लिए प्रशासनिक तैयारी चल रही है। उधर, मतगणना समाप्त होने के बाद आदर्श आचार संहिता स्वतः समाप्त हो गया है। किसी प्रकार की बंदिश नहीं है।

नगर परिषद के नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण के बाद पहली बैठक जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में होगी। गजट तैयार कर नगर परिषद साहिबगंज, राजमहल नगर पंचायत व बरहड़वा नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी को भेजा जाएगा।

रामगढ़ में तीन दुकानें जलकर राख, ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी से लगी आग

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ थाना क्षेत्र के लोहार टोला स्थित होलिका दहन मैदान के पास रविवार देर रात करीब 12:30 बजे तीन झोपड़ीनुमा दुकानों में भीषण आग लग गई। इस घटना में तीनों दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं। आग लगने का कारण पास लगे बिजली ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी बताया जा रहा है। देर रात दो सांड आपस में लड़ते हुए ट्रांसफार्मर के पोल से टकरा गए, जिससे पोल हिल गया और उससे निकली चिंगारी पास की दुकानों पर जा गिरी। इसके बाद आग तेजी से फैल गई।

आग लगते ही स्थानीय लोगों ने तत्काल रामगढ़ अग्निशमन विभाग को सूचना दी और स्वयं भी आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि ट्रांसफार्मर भी उसकी चपेट में आ गया था। हालांकि, दमकल की गाड़ी समय रहते मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पा लिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, यदि आग की गर्मी से ट्रांसफार्मर फट जाता, तो एक बड़ा हादसा हो सकता था और आसपास के इलाके में भारी नुकसान की आशंका थी।

जानकारी के अनुसार, रामगढ़ शहर के कई हिस्सों में ट्रांसफार्मर के ठीक नीचे झोपड़ीनुमा दुकानें लगाई गई हैं। दिन के समय इन दुकानों पर लोगों की भीड़ रहती है, जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय महाभियान 2026 पर हुई चर्चा

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की अध्यक्षता में हवेली बैंक्वेट हॉल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान 2026 के तहत प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई. इस कार्यशाला में प्रदेश पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष और जिलों से चयनित प्रशिक्षण टोली शामिल हुई. प्रशिक्षण कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में बीजेपी के संगठन महामंत्री शिवप्रकाश शामिल हुए.

इसके अलावा कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी, पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, केंद्रीय टोली के सदस्य राजकुमार फलवारिया, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पीएन सिंह, डॉ रविंद्र कुमार राय और पूर्व सीएम मधु कोड़ा मौजूद रहे. प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय ने किया.

कार्यशाला को संबोधित करते हुए संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रशिक्षण कार्यक्रम 'कार्यकर्ता' निर्माण की कुंजी है. पार्टी की रीति, नीति, कार्य पद्धति, इतिहास और विकास से कार्यकर्ताओं को परिचित कराने में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.

शिवप्रकाश ने कहा कि भाजपा का एक प्रशिक्षित कार्यकर्ता हमारे विरोधियों के सैकड़ों पर भारी पड़ता है. उन्होंने कहा कि भाजपा मां भारती को सर्वोच्च शिखर पर आसीन करने के लिए संकल्पित है. हमारे पूर्वजों ने जो दृढ़ संकल्प लिया है, उसे पूरा करने की जिम्मेवारी आज की पीढ़ी पर है. शिवप्रकाश ने कहा कि भारत को 'आत्म निर्भर भारत' बनाने के लिए पार्टी के करोड़ों प्रशिक्षित विचारवान कार्यकर्ता की जरूरी है.

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि भाजपा विचार आधारित पार्टी है. देश की अधिकांश पार्टियां आज परिवार की विरासत तक सिमट गई है. लेकिन भाजपा अपने वैचारिक अधिष्ठान के बल पर दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनी है. उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता 'राष्ट्र प्रथम' के भाव से भरे हैं. जिसका परिणाम है कि आज भारत विश्व में अपना परचम लहरा रहा है, भारत के तिरंगे की ताकत बढ़ी है. आदित्य साहू ने कहा कि राष्ट्र प्रथम के भाव से भरे हुए कार्यकर्ता ही पार्टी की ताकत हैं.

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी ने कहा कि प्रधानमंत्री के पंच प्रण को जन-जन तक लेकर जाने की जरूरत है. जिसमें सर्व स्पर्शी, सर्व व्यापी, सर्व समावेशी भाजपा के साथ पर्यावरण और स्थानीय उत्पाद के उपयोग के लिए वोकल फॉर लोकल का आह्वान है. वहीं बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देशहित में बेहतरीन कार्य किया है.

संक्षिप्त समाचार

समस्तीपुर में ठाकुरबाड़ी से चोरी अष्टधातु की मूर्तियां बरामद

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर में छोटी ठाकुरबाड़ी से चोरी अष्टधातु की मूर्तियों के मामले का पुलिस ने 2 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। निशानदेही पर चोरी की गई तीन बड़ी मूर्तियां बरामद कर ली गई है, जबकि एक छोटी मूर्ति की बरामदगी के लिए छापेमारी की जा रही है। बदमाशों की पहचान हसनपुर थाना क्षेत्र के नरपत गांव निवासी अभिषेक कुमार सिंह उर्फ सिंटू और देवधा गांव के राजीव झा के तौर पर हुई है। एसपी अरविंद प्रताप सिंह ने बताया कि 1 फरवरी की रात चोरों ने ठाकुरबाड़ी से चार मूर्तियों की चोरी कर ली थी। इस मामले में रोसड़ा डीएसपी संजय सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम लगातार छापेमारी कर रही थी। तकनीकी और परंपरागत अनुसंधान में दो संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया। उसकी गतिविधि पर जांच की गई। पूछताछ के दौरान दोनों ने मूर्ति चोरी की बात स्वीकार की। साथ ही इस घटना में शामिल एक अन्य बदमाश के बारे में भी बताया। दोनों की निशानदेही पर पुलिस की टीम ने तीन मूर्तियां बरामद कर ली। बरामद मूर्तियां राम लक्ष्मण और सीता की है जबकि अभी हनुमान की छोटी मूर्ति बरामद नहीं हुई है । एसपी ने आगे कहा कि इस मामले में गिरफ्तार दोनों बदमाश का क्रिमिनल रिकॉर्ड है। अभिषेक पर शराब कारोबार से जुड़ा मामला दर्ज है। जबकि राजीव पर जानलेवा हमले से जुड़ा हुआ मामला चल रहा है। पूछताछ के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया है। गिरोह में शामिल अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

पवन सिंह का राज्यसभा जाना लगभग तय', सिंगर गुंजन सिंह का बड़ा दावा

पटना, एजेंसी। एक्टर-सिंगर और बीजेपी लीडर पवन सिंह के बिहार पॉलिटिक्स में आने की खबरों पर भोजपुरी सिंगर गुंजन सिंह ने मुहर लगाई है। उन्होंने कहा कि उनका राज्यसभा में जाना लगभग तय है, लेकिन जब तक सब कुछ कन्फर्म नहीं हो जाता और ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी नहीं हो जाता, तब तक कुछ भी कहना ठीक नहीं है। बता दें कि बिहार में खाली हुई 5 राज्यसभा सीटों के लिए सभी दलों ने सियासी बिसात बिछाना शुरू कर दिया है। इस बीच भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह ने 26 फरवरी को बीजेपी ऑफिस में जाकर नितिन नवीन से मुलाकात की थी। इसके बाद से ही उनके राज्यसभा सीट की चर्चा तेज हो गई है। बिहार में राज्यसभा चुनाव सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए यह प्रतिष्ठा का सवाल बन चुका है। मौजूदा संख्या-बल को देखें तो भाजपा-जदयू की दो-दो सीटों पर जीत तय है। जदयू ने स्पष्ट कर दिया है कि उसे दो से अधिक सीटों की चाहत नहीं है। ऐसे में पांचवीं सीट स्वाभाविक रूप से भाजपा के पास होगी। अगर भाजपा पांचवी सीट के लिए भाजपा भोजपुरी स्टार पवन सिंह के नाम पर विचार करती है तो इसका राजनीतिक असर भी होगा। खासकर उपेंद्र कुशवाहा की भूमिका और भविष्य पर सवाल खड़े होंगे। बहरहाल, चार सीटों पर भले औपचारिकता हो, लेकिन असली कहानी पांचवीं सीट पर लिखी जाएगी। यदि एनडीए पांचवां प्रत्याशी उतारता है तो उसे अतिरिक्त समर्थन जुटाना होगा। यहीं पर छोटे दलों और निर्दलीय विधायकों की भूमिका बढ़ जाएगी। दोनों पक्षों को अपने विधायकों को एकजुट रखने के साथ क्रास-वोटिंग के खतरों से भी निपटना होगा, क्योंकि महागठबंधन ने भी इस सीट को हल्के में नहीं लिया है। राजद ने कांग्रेस और वामदलों से विमर्श के बाद पांचवीं सीट पर दावा ठोक दिया है। हालांकि उसके पास 35 विधायक हैं। जीत के लिए छह अतिरिक्त वोटों की जरूरत पड़ेगी। ऐसे में एआईएमआईएम और बसपा का समर्थन निर्णायक हो सकता है। एआईएमआईएम के पांच और बसपा के एक विधायक हैं। इनका साथ मिलता है तो संघर्ष कड़ा होगा।

पटना पुलिस का एक्शन: 9 महीने में हुईं 15 मुठभेड़, 14 के पैर में मारी गोली और 1 बदमाश ढेर

पटना, एजेंसी। बिहार पुलिस अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपना रही है। यही कारण है कि पिछले 9 महीने में 15 एनकाउंटर हुए हैं, जिसमें से एक को ढेर कर दिया गया। हाल ही में पुलिस ने जेपी गंगा पथ पर पीएमसीएच के पास एक अपराधी का एनकाउंटर किया। उसकी पहचान वैशाली के हाजीपुर निवासी अमित कुमार के रूप में हुई है, जिसके खिलाफ वैशाली और पटना में पहले से आर्म्स एक्ट, हत्या का प्रयास सहित चार केस दर्ज हैं। 28 जनवरी को अमित अपने साथी पीयूष के साथ सिविल कोर्ट में पेशी के लिए आए कुख्यात सुबोध सिंह गैंग के तातिया नाम के एक आरोपित की हत्या करने आया था। पुलिस ने उसके साथी को तो गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन अमित फरार था। तब से पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। तलाश में वैशाली से लेकर उसके सभी संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। दो दिन पहले पुलिस को सूचना मिली कि वह पटना में छिपा है। जिसके बाद पुलिस उसके इंटरनेट मीडिया अकाउंट पर भी नजर रख रही थी। जैसे ही उसने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट खोला, पुलिस को उसके लोकेशन की जानकारी मिल गई। उसका लोकेशन ट्रेस करते हुए पुलिस की टीम जेपी गंगा पथ पर पहुंच गई। वहां उसने पुलिस को देखकर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसके पैर में गोली मारी और उसे दबोच लिया।

तेजी से करें काम, अधिकारियों को दिए निर्देश

सीएम नीतीश कुमार ने पटना में निर्माण कार्यों का लिया जायजा;

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को सैदपुर तथा बाकरगंज भूमिगत नाला निर्माण के साथ सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होने तेजी से कार्य पूर्ण करने का दिया निर्देश दिया।

इस दौरान पटना प्रमंडल के आयुक्त अनिमेष पराशर एवं जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम ने मुख्यमंत्री को इस योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने पहले भी इस योजना के काम को कई बार देखा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सैदपुर नाले का बेहतर ढंग से जीर्णोद्धार कर इसके ऊपर फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करें।

यह योजना काफी अच्छी है। इसके पूर्ण होने से सैदपुर, राजेन्द्र नगर, मुसल्लहपुर हाट, गायघाट और पहाड़ी क्षेत्र में ट्रैफिक जाम की समस्या समाप्त होगी तथा न्यू पटना बाईपास से जुड़ने का लोगों को एक वैकल्पिक मार्ग की सुविधा मिलेगी।

फोर लेन सड़क बन जाने से शहरवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलने के साथ-साथ शहर भी खुबसूरत दिखेगा।मालूम हो कि पटना के 9 ड्रेनेज पंपिंग स्टेशन एवं एक सिवरेज ट्रिटमेंट प्लांट (एसटीपी) के पानी का बहाव सैदपुर नाला के माध्यम से होता है।

नगर विकास विभाग अन्तर्गत बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (बुडको) के द्वारा 259.81 करोड़ रूपये की लागत से सैदपुर नाला पर पहाड़ी तक भूमिगत नाला के साथ सड़क का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इस नाला की लंबाई 5.61 किलोमीटर है।

मुख्यमंत्री ने बाकरगंज भूमिगत नाला निर्माण के साथ-साथ सड़क निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इसका निर्माण कार्य बेहतर ढंग से और जल्द पूर्ण करें।

इसके पूर्ण होने से इस क्षेत्र में जल निकासी की व्यवस्था बेहतर होगी और जलजमाव की समस्या नहीं रहेगी। नाले के ऊपर सड़क बनने से इस क्षेत्र में आवागमन सुगम होगा।

बाकरगंज नाला पटना शहर के भीतरी हिस्से में स्थित एक मुख्य ड्रेनेज/नाला है, जो उमा सिनेमा हाल से शुरू होकर अंटा घाट तक गंगा नदी की ओर जाता है। यह नाला शहर के कई भागों, बाजारों एवं आवासीय इलाकों के बीच से गुजरता है।

वर्षा के समय जल निकासी के लिये यह एक अहम मार्ग है। इस परियोजना के तहत लगभग 1.4 किलोमीटर लंबी सड़क, नाले के ऊपर बनाई जा रही है, जिससे ट्रैफिक और जल निकासी दोनों बेहतर होगी।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, सचिव कुमार रवि, सचिव डॉ. चन्द्रशेखर सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

ईरान हमले के बीच खाड़ी देशों में फंसे लोग, परिजनों की बढ़ी चिंता, उठाई ये मांग

दरभंगा, एजेंसी। ईरान द्वारा एक साथ आठ देशों पर हमले की खबरों के बीच दरभंगा जिले के सैकड़ों लोगों के खाड़ी देशों में फंसे होने की बात सामने आई है। इससे उनके परिजन काफी चिंतित हैं और सरकार से सुरक्षित वापसी की गुहार लगा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, सिमरी थाना क्षेत्र के मो. जूही, मो. पप्पू, मो. जब्बार, राजकिशोर शर्मा और प्रदीप महतो के अलावा बसतबाड़ा के मो. फरीद और हारून खाड़ी देश में फंसे हुए हैं। वहीं कुवैत में रहने वाले अखलाकुर रहमान के परिजन मो. फजलूर रहमान ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि आगे क्या होगा और उनका बेटा कैसे घर लौटेगा, इस सोच से परिवार परेशान है। कतर में फंसे नासिर अनवर के पिता ने कहा कि उनका बेटा वहां फंसा हुआ है और आगे की स्थिति को लेकर वे चिंतित हैं। शहर के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के अलीनगर मोहल्ला निवासी मो. जलाउद्दीन और लहेरियासराय थाना क्षेत्र के करमगंज मोहल्ला निवासी बदरुल हसन भी युद्ध जैसे माहौल के बीच विदेश में फंसे हुए हैं। सभी के परिजन केंद्र सरकार से अपील कर रहे हैं कि उनके लोगों को सुरक्षित वापस लाया जाए।

लहेरियासराय थाना क्षेत्र के करमगंज की रहने वाली जहांआरा ने बताया कि उनकी पति से बातचीत हो रही है। उनके पति ने बताया है कि नागरिक इलाकों में अभी हमला नहीं हो रहा है और वे सुरक्षित हैं। फिर भी परिवार को किसी अनहोनी की चिंता सता रही है। सिमरी थाना क्षेत्र के बनौली गांव निवासी मो. गफ्फार ने बताया कि उनका भाई जब्बार तीन साल से घर नहीं आया है। इस बार ईद पर घर आने वाला था, लेकिन अब स्थिति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। परिजनों का कहना है कि वे लगातार सरकार से अपील कर रहे हैं कि उनके परिजनों को सुरक्षित वापस लाया जाए।

वैशाली में बुजुर्ग महिला की गला रेतकर हत्या

हाजीपुर, एजेंसी। वैशाली में एक बुजुर्ग महिला की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना राघोपुर प्रखंड के जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत राघोपुर पूर्वी पंचायत के वार्ड संख्या 12 की है, जहां 70 वर्षीय महिला की गला रेतकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान दाजो देवी (लगभग 70 वर्ष), पत्नी स्वर्गीय देव विलास राय के रूप में हुई है। वह पिछले करीब 15 वर्षों से अपने घर में अकेली रह रही थीं। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और शोक का माहौल है।

मृतका के पुत्र सुनील राय ने बताया कि कुछ असामाजिक तत्व अक्सर उनके घर के पास बैठकर शराब पीते थे। उनकी मां इसका विरोध करती थीं, जिस पर उन्हें कई बार जान से मारने की धमकी दी गई थी। सुनील राय ने पुलिस को बताया कि वह और उनका भाई रांची में रहते हैं। वे एक सप्ताह पहले गांव आए थे और शुक्रवार को मां से मिलकर वापस लौट गए थे। शनिवार शाम तक उनकी मां से मोबाइल पर बातचीत हुई थी, लेकिन इसके बाद उनका फोन बंद आने लगा।

रविवार रात पड़ोसियों ने सुनील राय को सूचना दी कि उनकी मां की हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जहां दाजो देवी का शव घर के कमरे में खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची जुड़ावनपुर थाना पुलिस ने घटनास्थल से खून से सना एक हसुआ बरामद किया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, हाजीपुर भेज दिया गया है।

परिजनों ने हत्या के साथ लूट की आशंका भी जताई है। उनका कहना है कि वृद्धा के कान में पहनी सोने की बाली और गले में पड़ी चाबी गायब है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और विभिन्न बिंदुओं पर जांच जारी है। घटना के बाद पूरे इलाके में मातम और असुरक्षा की भावना व्याप्त है। पुलिस का कहना है कि मामले का जल्द खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है। जुड़ावनपुर थाना अध्यक्ष अभिषेक कुमार ओझा ने बताया कि इस मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

'रंग बरसे होली मिलन समारोह' बना रणक्षेत्र, हुई फायरिंग, गायक रोशन रोही हिरासत में

नालंदा , एजेंसी। नालंदा जिले के बिहार थाना क्षेत्र के नकटपुरा गांव स्थित स्मार्ट सिटी वाटर पार्क में आयोजित 'रंग बरसे होली मिलन समारोह' रविवार को हिंसा में बदल गया। कार्यक्रम के दौरान विवाद होने के बाद भोजपुरी गायक रोशन रोही के बाउंसरों और कुछ मेहमानों के सुरक्षाकर्मियों ने खुलेआम फायरिंग और रोड़ेबाजी शुरू कर दी। इस घटना में कवरेज करने गए एक पत्रकार सहित तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए गायक रोशन रोही समेत मुख्य आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

घायल पत्रकार ऋषिकेश ने बताया कि वे कार्यक्रम के निमंत्रण पर वाटर पार्क पहुंचे थे। वहां पहले से अफरा-तफरी का माहौल था और सड़क से ही गोलीबारी हो रही थी। उन्होंने बताया कि जैसे ही उन्होंने मोबाइल निकालकर वीडियो बनाना शुरू किया, स्थानीय लड़कों और बाउंसरों की भीड़ ने उन पर हमला कर दिया। उनके दोनों मोबाइल छीन लिए गए और रोड़ेबाजी की गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इलाके में करीब 15 से 20 राउंड फायरिंग की आवाज सुनी गई।

इस हिंसा में तीन लोग घायल हुए हैं। बासोचक गांव के सुबेलाल कुमार ने बताया कि वह खेत से लौट रहे थे, तभी अचानक उनके पैर में गोली लग गई। सदर डीएसपी-वन नूरुल हक ने बताया कि घायलों में पत्रकार ऋषिकेश, एक 18-19 वर्षीय युवक और एक गाड़ी चालक शामिल है, जिसके सिर पर चोट आई है। सभी घायलों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है और वे खतरे से बाहर हैं।

सदर डीएसपी नूरुल हक ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम पूरी तरह अनधिकृत था और इसके लिए कोई लाइसेंस नहीं लिया गया था। उन्होंने पुष्टि की कि गायक के बाउंसरों और कुछ मेहमानों के निजी सुरक्षाकर्मियों ने फायरिंग की। पुलिस ने मौके से चार हथियार बरामद किए हैं और तीन क्षतिग्रस्त गाड़ियों को जब्त किया है।

घटना के बाद पुलिस ने वाटर पार्क की घेराबंदी कर दी है। डीएसपी नूरुल हक ने बताया कि गायक रोशन रोही को पकड़कर थाने भेज दिया गया है। मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और वाटर पार्क के अंदर मौजूद सभी लोगों की पहचान की जा रही है। बाहर से आए वाहनों और बाउंसरों की जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मुख्य द्वार पर तैनात है और साक्ष्य जुटाने के साथ-साथ फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

जदयू जिलाध्यक्ष चुनाव में अफरा-तफरी, 32 दावेदारों के बीच सहमति नहीं बनी

गया , एजेंसी। गया जिले में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के जिलाध्यक्ष पद के लिए आयोजित सांगठनिक चुनाव रविवार को विवादों में फंस गया। गया संग्रहालय परिसर में आयोजित इस चुनाव में कुल 32 नेताओं ने जिलाध्यक्ष पद के लिए दावेदारी पेश की थी, जिनमें से 21 प्रत्याशियों ने विधिवत नामांकन पत्र दाखिल किया।

चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से पहले पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने आपसी सहमति से एक नाम तय करने की कोशिश की। कई दौर की बातचीत के बावजूद सभी दावेदार अपने-अपने पक्ष पर अड़े रहे। जैसे-जैसे चर्चा आगे बढ़ी, समर्थकों के बीच नोकझोंक शुरू हुई, जो बाद में हंगामे में बदल गई।

स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई कि चुनाव अधिकारियों को प्रक्रिया रोकनी पड़ी। मौके पर मौजूद पार्टी पदाधिकारियों ने हालात को संभालने की पूरी कोशिश की, लेकिन बढ़ते विवाद को देखते हुए जिलाध्यक्ष का चुनाव स्थगित करने का निर्णय लिया गया। बाद में वरीय नेताओं की सहमति से पूरी चुनाव प्रक्रिया रद्द कर दी गई।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, संगठन की एकजुटता बनाए रखने और किसी भी प्रकार की गुटबाजी से बचने के लिए यह फैसला लिया गया है। अब जिलाध्यक्ष पद के लिए अंतिम निर्णय पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के स्तर पर होगा। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वयं गया जिलाध्यक्ष के नाम का मनोनयन करेंगे।

जिले में एक साथ इतनी बड़ी संख्या में दावेदारों का सामने आना जदयू की आंतरिक राजनीति को भी उजागर करता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन में सक्रियता बढ़ी है, जिसके कारण प्रतिस्पर्धा और तेज हुई। फिलहाल सभी की नजरें पटना की ओर टिकी हैं, जहां से जिलाध्यक्ष के नाम की घोषणा होने की संभावना है।

'किसी को भी हल्के में बयानबाजी नहीं करनी चाहिए', ईरान-इस्राइल युद्ध पर बोले चिराग पासवान

तिरहुत-मुजफ्फरपुर, एजेंसी। हाजीपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने ईरान और इस्राइल के बीच चल रहे युद्ध और मारे गए खामेनेई को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत गंभीर विषय है और कई देश इन परिस्थितियों में उलझे हुए हैं। ऐसे में किसी को भी हल्के में बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से शांति का पक्षधर रहा है। हमारा देश बुद्ध का देश है और हम युद्ध से ज्यादा वार्तालाप में विश्वास करते हैं। भारत की ओर से भी अधिकृत बयान में यही कहा गया है कि सभी पक्ष एक साथ बैठकर बातचीत से समाधान निकालें।

चिराग पासवान ने कहा कि ईरान भारत का पुराना साथी रहा है। वहीं इस्राइल के साथ भी हाल के वर्षों में भारत के संबंध मजबूत हुए हैं। ऐसे में भारत को अपने पुराने दोस्तों का साथ देते हुए सभी के साथ संतुलन बनाकर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह मामला अंतरराष्ट्रीय कूटनीति से जुड़ा हुआ है। इसलिए किसी भी पार्टी या दल को सोच-समझकर बयान देना चाहिए। सरकार का अधिकृत बयान ही सामने आना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार की चिंता खासकर बिहार के लोगों को लेकर है, जो खाड़ी देशों में फंसे हुए हैं। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना और उन्हें सुरक्षित भारत लाना सरकार की जिम्मेदारी है। इस दिशा में सरकार ने काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 से 12 वर्षों में जहां भी युद्ध की स्थिति बनी है, भारत ने तत्परता के साथ अपने लोगों को वापस लाने का काम किया है।

यूक्रेन के उदाहरण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां भारतीय तिरंगा देखने पर दूसरे देशों के नागरिकों को भी ग्रीन चैनल मिल जाता था। उन्होंने बताया कि खाड़ी देशों में फंसे देशवासियों को वैकल्पिक व्यवस्था के जरिए वापस लाया जाएगा। भले ही एयरवेज बंद हो गए हों, लेकिन सरकार इस दिशा में सक्रिय हो गई है।

पटना में 15 मार्च को 7वां भोजपुरी सिने अवॉर्ड्स

पटना, एजेंसी। भोजपुरी सिनेमा के 7वें सरस सलिल भोजपुरी सिने अवॉर्ड्स शो का आयोजन 15 मार्च को राजधानी पटना के बापू सभागार में किया जाएगा। यह समारोह भोजपुरी फिल्म उद्योग के लिए एक बड़े सांस्कृतिक उत्सव के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें सिनेमा जगत की नामचीन हस्तियां शिरकत करेंगे।

सरस सलिल के इंचार्ज भानु प्रकाश राणा ने बताया कि यह अवॉर्ड शो अब बिहार की राजधानी पटना में हो रहा है, जो एक नए अध्याय की शुरुआत है। इस बार इसे और भव्य और बड़े स्तर पर किया जाएगा और दर्शकों के लिए यह मनोरंजन का शानदार अनुभव रहेगा।

भानु प्रकाश राणा ने बताया कि इस अवॉर्ड शो में नामांकित फिल्मों और कलाकारों को जूरी की ओर से चयनित कर विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, लाइव म्यूजिकल परफॉर्मेंस और स्टार नाइट मुख्य आकर्षण रहेंगे।

भोजपुरी सिनेमा के कॉमेडियन रोहित सिंह मटरू ने बताया इस वर्ष के आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता इसका परिवर्तित फॉर्मेट है। बदलते समय और डिजिटल प्लेटफॉर्म के विस्तार को ध्यान में रखते हुए इस बार अवॉर्ड शो को तीन प्रमुख वर्गों में बांटा गया है। सिनेमा (थिएटर रिलीज फिल्में), ओटीटी प्लेटफॉर्म और यूट्यूब/टीवी कंटेंट के आधार पर बेस्ट अवॉर्ड्स दिए जाएंगे।

आयोजन समिति से जुड़े बृहस्पति कुमार पांडेय ने बताया कि भोजपुरी कंटेंट अब केवल सिनेमाघरों तक सीमित नहीं है, बल्कि ओटीटी और डिजिटल माध्यमों के जरिए विश्वभर में देखा जा रहा है। ऐसे में इन प्लेटफॉर्म पर कार्य करने वाले कलाकारों और तकनीशियनों को समान मंच देना समय की आवश्यकता है।

सरस सलिल भोजपुरी सिने अवॉर्ड्स शो की शुरुआत 2020 में बस्ती जिले से हुई थी, जिसका उद्देश्य था भोजपुरी सिनेमा को एक व्यवस्थित और प्रतिष्ठित मंच देना था। लोकप्रिय पत्रिका सरस सलिल की ओर से शुरू की गई इस पहल ने कुछ ही वर्षों में भोजपुरी फिल्म उद्योग में अपनी विशेष पहचान बना ली। इसके बाद अयोध्या में 3 बार, बस्ती में 2 बार, इसका आयोजन हुआ था। लगातार इस आयोजन की भव्यता और सहभागिता में वृद्धि होती गई।

पिछले वर्ष 'छठा सरस सलिल भोजपुरी सिने अवॉर्ड्स' शो का आयोजन लखनऊ के प्रतिष्ठित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुआ था। यह अब तक का सबसे बड़ा और व्यवस्थित समारोह माना गया। उस समारोह में 50 से अधिक श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। बेस्ट फिल्म, बेस्ट अभिनेता, बेस्ट अभिनेत्री, बेस्ट निर्देशक, बेस्ट सिंगर, बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर और लाइफटाइम अचीवमेंट जैसी प्रमुख श्रेणियों में कलाकारों को सम्मानित किया गया।

अभिनेता और गायक विवेक पांडेय ने पटना में आयोजित हो रहे सातवें संस्करण को और भी भव्य और आकर्षक बनाने की तैयारी की गई है।

शराबी पति ने पत्नी को लाठी-डंडे, ईंट से पीटा:घरेलू हिंसा में मारपीट ,एक बार गया है जेल; महिला अस्पताल में भर्ती

जमुई, एजेंसी। जमुई के गरही थाना क्षेत्र के दरिमा इलाके में घरेलू हिंसा का एक गंभीर मामला सामने आया है। रविवार रात एक पति ने शराब के नशे में अपनी पत्नी को लाठी-डंडे और ईंट से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल महिला विनीता कुमार का इलाज सदर अस्पताल जमुई में चल रहा है। विनीता कुमार ने बताया कि उनके पति पंकज कुमार यादव शराब पीकर घर आए और बच्चे के साथ मारपीट करने लगे। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो पति ने उन पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। इसके बाद ईंट फेंककर मारी, जो सीधे उनके चेहरे पर लगी, जिससे वे बुरी तरह घायल हो गईं। महिला के अनुसार, आरोपी पति पिछले चार वर्षों से लगातार मारपीट कर रहा है। इस संबंध में कई बार पंचायत भी हुई थी और एक बार उसे जेल भी भेजा गया था। हालांकि, परिजनों से माफी मांगने के बाद उसे जेल से बाहर निकलवा लिया गया था। कुछ महीनों तक स्थिति सामान्य रही, लेकिन फिर से मारपीट का सिलसिला शुरू हो गया। विनीता ने यह भी बताया कि घटना के बाद पति ने बच्चे को भी पीटा और उन्हें घर से बाहर निकालकर ताला लगा दिया। जब वे चाबी मांगने पहुंचीं, तो उनके साथ फिर मारपीट की गई। फिलहाल, महिला ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

संक्षिप्त समाचार

अलीगढ़ की आरटीओ प्रवर्तन वंदना सिंह और आरआई निलंबित, बस की फर्श टूटने से गई थी बच्ची की जान

अलीगढ़ एजेंसी। अलीगढ़ में स्कूल बस से गिरकर छात्रा की मौत के मामले में परिवहन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। अलीगढ़ की आरटीओ प्रवर्तन वंदना सिंह और तत्कालीन सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक) चंपालाल को रविवार को निलंबित कर दिया गया। चंपालाल की वर्तमान तैनाती सिद्धार्थनगर में है। दोनों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। परिवहन आयुक्त किंजल सिंह के मुताबिक 28 फरवरी को अलीगढ़ सीमा से सटे कासगंज के ग्राम-नगला साधु में स्कूल बस का फर्श टूटने से एक बच्ची सड़क पर गिर गई थी फिर उसके ऊपर पहिया चढ़ गया था। हादसे में बच्ची की मौत हो गई थी। हादसे के बाद जब जांच हुई तो पता चला कि बस का बीमा नहीं है। वहीं परमिट की भी वैधता खत्म हो चुकी है। मामले का संज्ञान परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने लिया। मामले में उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र) आगरा, एआरटीओ (प्रशासन/प्रवर्तन) अलीगढ़, एआरटीओ (प्रशासन/प्रवर्तन) कासगंज और अलीगढ़ के यात्रीकर अधिकारी को नोटिस जारी किया गया है। तीन दिन के भीतर उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। उसके बाद उनकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। वहीं स्कूल प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की तहरीर भी दी गई है।

शक्तिनगर में 1.20 करोड़ रुपये से बनेगी सड़क

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर। वार्ड नंबर-46 स्थित शक्तिनगर से सहदेवनगर कॉलोनी तक जल्द ही विकास कार्यों की नई तस्वीर देखने को मिलेगी। क्षेत्र की टूटी सड़कें, जलभराव और अव्यवस्थित नालियों को ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में ठोस पहल की है। 15वें वित्त आयोग की निधि से प्रस्तावित इस परियोजना को मेयर डॉ. मंगलेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली समिति से स्वीकृति मिल चुकी है, जिसके बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। करीब 1.20 करोड़ रुपये से सीसी सड़क का निर्माण कराया जाएगा। परियोजना का उद्देश्य केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्र में आवागमन सुगम बनाना और जल निकासी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करना भी है। इसके तहत आरसीसी नाली का निर्माण कर उसे गोड़धोइया नाले से जोड़ा जाएगा, जिससे बरसात में जल भराव की समस्या से निजात मिल सके। इसके अलावा साइड पटरी पर इंटरलॉकिंग कर पैदल चलने वालों और स्थानीय निवासियों को अतिरिक्त सुविधा दी जाएगी।

फ्रीजर में लाश और तीन दिन से बंद बिरयानी की दुकान, हत्या के बाद छिपा दिया शव!

लखनऊ, एजेंसी। यूपी की लखनऊ से एक और सनसनीखेज मामले मामला सामने आया है। यहां बख्शी का तालाब के किशनपुर गांव निवासी विजय पाल (38) का शव रविवार सुबह जीसीआरजी कॉलेज गेट के सामने स्थित वेज बिरयानी की दुकान में रखे फ्रीजर में मिला। विजय शुक्रवार दोपहर से लापता थे। पुलिस को घटनास्थल पर मिले परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर हत्या की आशंका है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। हार्ट और विसरा सुरक्षित रखा गया है। परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। विजय के पिता डलई ने बताया कि बेटा खेती-किसानी के साथ टेलीकॉम कंपनी में केबल बिछाने का काम करता था। शुक्रवार दोपहर वह घर से बिना किसी को कुछ बताए ही निकला था। इसके बाद घर नहीं लौटा। परिजनों ने उसे काफी तलाशा पर कुछ पता नहीं चल सका। मोबाइल पर कॉल की गई पर संपर्क नहीं हो सका। रविवार सुबह जीसीआरजी कॉलेज के सामने बनी वेज बिरयानी की दुकान के मालिक माल के निकरोजपुर गांव निवासी सनी बर्तन लेने पहुंचे तो फ्रीजर में विजय का शव पड़ा देखा। शव मिलने की सूचना पाकर मौके पर डीसीपी नॉर्थ गोपाल चौधरी, एडीसीपी ऋषभ रूणवाल पुलिस टीम के साथ पहुंचे। छानबीन के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुला लिया गया। शव के पास मिले मोबाइल व आधार कार्ड की मदद से शव की पहचान की गई और खबर परिजनों को दी गई। पुलिस को घटनास्थल पर मिले कुछ साक्ष्यों ने हत्या की ओर इशारा किया है। विजय पाल की एक चप्पल सड़क के किनारे मिली, जबकि दूसरी दुकान के अंदर मिली। दुकान के अंदर से शराब के खाली पाउच और गिलास भी बरामद हुए हैं। पुलिस का मानना है कि संभवत: विजय पाल की हत्या कहीं और की गई और बाद में उनके शव को दुकान के फ्रीजर में छिपा दिया गया। छानबीन में पता चला कि वेज बिरयानी की दुकान बक्शी के तालाब पर्वतपुर निवासी अजय की है। दुकान को सनी ने किराये पर ले रखा है। दुकान अस्थायी है। तीन तरफ से टिन लगी है और सामने का रास्ता खुला हुआ है। सनी के पिता की चार दिन पहले मौत हो गई थी। इसी वजह से उनकी दुकान बंद थी। रविवार को वह दुकान से बर्तन निकालने पहुंचे थे। इंस्पेक्टर बख्शी का तालाब संजय सिंह ने बताया कि छानबीन व जांच में पता चला है कि विजय जुआ खेलने और शराब पीने के आदी थे। पुलिस इस एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। विजय के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल से पता लगाया जा रहा है कि विजय की आखिरी बार बात किससे हुई थी। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

5000 भक्तों ने कान्हा संग खेली फूलों की होली

वाराणसी, एजेंसी। इस्कॉन मंदिर की ओर से रविवार को गुरुधाम पार्क में फूलों की होली हुई। 5000 भक्तों ने कान्हा संग फूलों की होली खेली। युवाओं होली के रंग में डूबे रहे। प्रभु की 51 तरह के फूलों से सजी झांकी के सभी ने दर्शन किए और फूलों से होली खेली।

बनारस के अलावा कोलकाता और पूणे से 10 क्विंटल फूलों से होली हुई। इस दौरान होली-भजन क्लबिंग के कलाकारों ने होरी और व्रज के गीतों से सभी को झुमाया। राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल ने शिरकत की।

इस्कॉन यूथ फोरम के संयोजन में फूलों की होली-भजन क्लबिंग थीम पर भक्ति, संगीत और सांस्कृतिक ऊर्जा का अनुपम संगम दिखा। युवाओं को समर्पित उत्सव में 5000 युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर होली के वास्तविक आध्यात्मिक स्वरूप का अनुभव किया। प्रभु को 51 तरह के फूलों से श्रृंगार हुआ। कान्हा के वस्त्र, हार, बाजूबंद सहित सभी तरह के आभूषण पुष्पों से बनाए गए थे।

20 तरह के पवित्र द्रव्यों से अभिषेक

कर विधिवत पूजन हुआ। फूलों की होली शुरू हुई। प्रदेश सरकार के मंत्री रविंद्र जायसवाल भी प्रभु का अभिषक और पूजन कर होली खेली। पार्क पुष्पों की सुगंध, हरिनाम संकीर्तन और भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा। विशेष आकर्षण नामारस बैंड के कलाकारों की प्रस्तुति रही। आध्यात्मिक संगीत से सभी मगन होकर झूमते रहे। सभी ने इस्कॉन मंदिर में भी दर्शन पूजन किया। भक्तों प्रसाद ग्रहण किया। नशे और रासायनिक रंगों से मुक्त होली का दिया संदेश : फूलों की होली से नशामुक्त, रासायनिक रंगों से मुक्त एवं सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित रहा। मुक्त एवं सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित रहा। मंदिर के व्यवस्थापक मुरारी गुप्त दास ने बताया कि युवाओं को नशामुक्त होकर होली खेलने के लिए प्रेरित किया गया है। उनको आध्यात्मिक माहौल में होली और सात्विक रूप में मनाने का संदेश दिया गया।

बेसवां में खेली लठामार होली

अलीगढ़ एजेंसी। बेसवां स्थित विश्वामित्रपुरी में रविवार को ब्रजवासी समाज के तत्वावधान में धरणीधर सरोवर स्थित राधाकृष्ण घाट पर लठामार होली का आयोजन किया गया। चेहरे पर घूंघट और हाथों में लट्ठ लिए सखियों ने कृष्ण रूपी हुरियारों पर जमकर लट्ठ बरसाए। हुरियारों ने ढाल से बचाव करते हुए होली गीत गाए। कार्यक्रम में लड्डू मार होली, चुन्नी मार होली व फूलों की होली भी खेली गई। दिल्ली, नोएडा, आगरा, हाथरस व इगलास सहित विभिन्न स्थानों से श्रद्धालु व हुरियारे होली खेलने पहुंचे। समाज के अध्यक्ष हरीश कटारा ने पुष्पवर्षा की। इस दौरान राहुल शर्मा, विधि सिंह, मुकेश शर्मा ने होली के भजन गए। इस बीच महारास व राधा-कृष्ण की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। आयोजन में मुख्य अतिथि कालीचरण सिंह जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय लोक दल रहे। इस दौरान हरीश कटारा, पूर्व एडीएम यादराम वर्मा, प्रदीप प्रधान, अमित ठेनुआं आदि मौजूद रहे।

होली पर बरेली में दो दिन लागू रहेगा डायवर्जन, भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित

बरेली, एजेंसी। होली के मद्देनजर बरेली शहर में बुधवार सुबह 10 से बृहस्पतिवार रात 11 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। रविवार को ट्रैफिक पुलिस ने डायवर्जन एडवाइजरी जारी कर दी।

एसपी ट्रैफिक अकमल खान ने बताया कि डायवर्जन के दौरान भारी वाहन अंदर न आ सकें इसके लिए शहर के सभी एंट्री प्वाइंट पर पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगा दी गई है। डायवर्जन के दौरान एंबुलेंस व आवश्यक सेवाओं में लगे वाहनों को शहर में प्रवेश की अनुमति होगी।

इन जगहों से भारी वाहनों का शहर में प्रवेश प्रतिबंधित : परसाखेड़ा रोड नंबर, बिलवा पुल, लालपुर कट, विलयधाम, नवदिया झादा, ट्रांसपोर्टनगर, रजऊ परसपुर तिराहा से कोई भी भारी वाहन शहर में प्रवेश नहीं करेगा। रामगंगा तिराहा और बुखारा मोड़ से भी भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है।

इस तरह पास किए जाएंगे वाहन : दिल्ली, मुरादाबाद, रामपुर, नैनीताल, पीलीभीत की तरफ से आने वाले भारी वाहन व रोडवेज बसें जिनको बदायूं की ओर जाना है, वह झुमका तिराहे से बड़ा बाइपास, नवदिया झादा, फरीदपुर, फतेहगंज पूर्वी,

दातागंज, देवचरा, भमोरा होते हुए जा सकेंगे।

दिल्ली, मुरादाबाद, रामपुर की ओर से आने वाले भारी वाहन व रोडवेज बसें जिनको लखनऊ जाना है, वह बड़ा बाइपास से झुमका, बिलवा, विलयधाम, फरीदपुर, फतेहगंज पूर्वी होकर जा सकेगें। लखनऊ की ओर से दिल्ली जाने वाले भारी वाहन फरीदपुर, रजऊ परसपुर तिराहा होते हुए बड़ा बाइपास से जा सकेगें।

बदायूं की ओर से आने वाले भारी वाहन जिनको बरेली आना है वह भमोरा से देवचरा चौराहा, दातागंज, फतेहगंज पूर्वी से रजऊ परसपुर तिराहा से ट्रांसपोर्ट नगर तक आ सकेगें। जिन वाहनों को दिल्ली की ओर जाना है वह बड़ा बाइपास होते हुए जा सकेंगे।

बदायूं व लखनऊ की ओर से आने वाली रोडवेज बसें रजऊ परसपुर तिराहा से सेटेलाइट बस अड्डा आ सकेंगी।

दिल्ली की ओर से आने वाली रोडवेज बसें मिनी बाइपास से इज्जतनगर, डेलापीर, सौ फुटा पूर्वी से सेटेलाइट तक आ-जा सकेंगी।

अवध में बिखरे देवभूमि की होली के रंग

लखनऊ, एजेंसी। कुर्मांचल नगर का वातावरण उस समय देवभूमि की सांस्कृतिक खुशबू से सराबोर हो उठा, जब ढोल-दमाऊ और हुड़के की थाप पर पारंपरिक होली गीत गूंज उठे। रविवार को उत्तराखंड महापरिषद की ओर से आयोजित होली उत्सव में परंपरा, भक्ति और उल्लास का सुंदर संगम देखने को मिला। आयोजन ने राजधानी में रह रहे प्रवासी उत्तराखंडी समाज को पहाड़ों की यादों से जोड़ दिया।

केसरिया गुलाल और बैठकी होली के शास्त्रीय सुरों के बीच 'अपनी होली-अपनी बोली' के संकल्प के साथ उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत किया गया। कार्यक्रम में पारंपरिक लोकधुनों और सामूहिक गायन ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया।

कुर्मांचल नगर स्थित परिषद भवन में आयोजित कार्यक्रम में कल्याणपुर, पंतनगर, विकासनगर, इंद्रानगर, तेलीबाग, सुगामऊ, महानगर और राजाजीपुरम से आई महिलाओं ने मनमोहक होली गीत प्रस्तुत किए। महापरिषद के संयोजक दीवान सिंह अधिकारी, अध्यक्ष हरीश चंद्र पंत और वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंगल सिंह रावत ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अरुणा उपाध्याय, हरितिमा पंत, शशी जोशी, सुशीला नेगी, पुष्पा वैष्णव, कमला चुफाल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

शिक्षा मुफ्त होनी चाहिए, गरीबों से दूर बताया बजट

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर। इंदिरा बाल विहार स्थित चेतना तिराहे पर केंद्रीय आम बजट को लेकर लोगों ने खुलकर अपनी राय रखी। इस दौरान आमजन और युवाओं ने बजट को गरीबों की अपेक्षाओं से दूर बताया और सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े किए।

युवराज ने शिक्षा को लेकर कहा कि शिक्षा पूरी तरह से मुफ्त होनी चाहिए। गरीब परिवारों के बच्चे आज भी संसाधनों के अभाव में पीछे रह जाते हैं। बजट में शिक्षा पर खर्च बढ़ना चाहिए। तभी देश का भविष्य मजबूत होगा।

अमित चंद्र ने कहा कि यह बजट गरीब और मध्यम वर्ग के लिए नहीं बनाया गया है। बजट में बड़े आंकड़े दिखते हैं, लेकिन आम आदमी की जिंदगी में कोई बदलाव नजर नहीं आता। महंगाई और बेरोजगारी पर ठोस समाधान नहीं है। गरीब रोटी और रोजगार के लिए भटकता है। बजट में यह साफ नहीं दिखता है।

शिवम सिंह ने कहा कि आम गरीब जनता का बजट से सीधा लेना-देना नहीं होता। उसे रोज मजदूरी करनी होती है, और उसी से घर चलता है। मजदूरी में एक रुपया बढ़े या घटे, वही उसके लिए मायने रखता है। बजट के बड़े दावे जमीनी स्तर पर असर नहीं डालते। सरकार को यह समझना चाहिए।

अभिषेक ने स्वास्थ्य सेवाओं पर बात करते हुए कहा कि यदि सरकार गंभीर मरीजों के लिए दवाओं पर टैक्स पूरी तरह से छूट कर दे तो लाखों गरीबों की जान बच सकती है। देश में कैंसर जैसी बीमारियों का इलाज बेहद महंगा है। बजट से कोई ठोस राहत नहीं।

ऋषभ ने बताया कि विकास की बातें हर बजट में होती हैं, लेकिन यह विकास आम गरीब तक कहां पहुंच रहा है, यह साफ नहीं है। योजनाएं बनती हैं, लेकिन लाभ सीमित लोगों को मिलता है। सरकार को जमीनी सच्चाई समझनी चाहिए। तभी विकास सार्थक होगा।

शुभम ने परिवहन व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि बुलेट ट्रेन अच्छी पहल है, लेकिन मौजूदा आबादी के हिसाब से सामान्य ट्रेनों की संख्या कम है। यात्रियों को सीट नहीं मिलती। लोग बोगियों में खड़े होकर सफर करते हैं। युवराज ने शिक्षा को लेकर कहा कि शिक्षा मुफ्त होनी चाहिए। गरीब परिवारों के बच्चे आज भी संसाधनों के अभाव में पीछे रह जाते हैं।

संगीत सोम बोले- इतने सारे मुस्लिम देश, ईरान पर हमले का विरोध करने की कोई न कर सका हिम्मत

मेरठ, एजेंसी। दशरथपुर गांव स्थित एक फार्म हाउस में सरधना के पूर्व विधायक संगीत सोम की ओर से होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। पूर्व विधायक संगीत सोम ने ईरान पर हुए हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई इजराइल-अमेरिका के हमले में मारे गए। वहां इतनी तबाही मचाई, लेकिन इतने मुस्लिम देश होने के बावजूद इस हमले का कोई विरोध नहीं कर सका। भारत में बाबरी मस्जिद बनाने के लिए सब एकजुट होकर प्रदर्शन करने लगते हैं। अब इस देश में बाबरी मस्जिद नहीं बनने दी जाएगी।

समारोह के मुख्य अतिथि मिजोरम के राज्यपाल वीके सिंह, आचार्य कैलाशानंद गिरी महाराज, अमहंत रवींद्रपुरी, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरव चौधरी, पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल, पूर्व सांसद ब्रजभूषण, कवयित्री अनामिका जैन अंबर रहे। राज्यपाल वीके सिंह ने कहा कि होली ऐसा पर्व है, जब गिले-शिकवे मिटाए जाते हैं। पूर्व सांसद ब्रज भूषण शरण सिंह ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का काम करते हैं। संगीत सोम ने कहा कि वह प्रत्येक वर्ष होली मिलन समारोह का आयोजन करते हैं। सभी ने अबीर-गुलाल व फूलों की होली खेली और एक दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर बधाई दी।

इस दौरान मंत्री जसवंत सैनी, एमएलसी धर्मेंद्र भारद्वाज, विधायक रामवीर सिंह, विधायक जयवीर सिंह, अजय भराला, पूर्व विधायक हरपाल सैनी, पूर्व विधायक सतवीर त्यागी, पूर्व जिला अध्यक्ष अनुज राठी, टीटू चौधरी, ललित चौहान, चंद्र मोहन, आशीष प्रताप, बब्बर चौहान, शर्मिष्ठा भंडारी, रवि, मनोज चिरौड़ी, मोहन सैनी, संजय गुप्ता, हरेंद्र, अशोक, इंद्रपाल, बबलू प्रधान आदि मौजूद रहे।

अनामिका जैन ने गीतों से भरा देशभक्ति का जोश : प्रसिद्ध कवि अनामिका जैन ने समारोह में काबा-काबा व भगवान राम पर आधारित अपने गीतों की प्रस्तुति देकर देशभक्ति का जोश भर दिया। उनके गीतों पर लोग जमकर थिरके। महंत रवींद्रपुरी ने कहा कि संगीत सोम हिंदुत्व के लिए लड़ाई लड़ते हैं।

तीर्थ स्थलों पर पूजा करने वाले पहले पीएम हैं मोदी : कैलाशानंद : अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाशानंद गिरी महाराज ने कहा कि कि देश में अब से पहले भी हिंदू प्रधानमंत्री थे, लेकिन मजार की जगह तीर्थ स्थलों पर जाकर पूजा-अर्चना करने वाला पहला प्रधानमंत्री देश को मिला है। उन्होंने कहा कि भगवान राम जब राजा थे तो उनका राज्य दूर-दूर तक था, लेकिन उनके बाद जैसे-जैसे युग बदलते रहे, खंड विभाजित होते रहे।

सीएम बोले- जिम की जांच करें, महिलाओं के लिए महिला जिम ट्रेनर ही रहें

वाराणसी, एजेंसी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही अवैध गतिविधियों में लिप्त पुलिस कर्मियों पर भी सख्त कार्रवाई की जाए। सड़क सुरक्षा की नियमित बैठकें करें और ज्यादा से ज्यादा जागरूकता कार्यक्रम कराएं। उन्होंने जनपद में होली, आगामी पर्वों के दृष्टिगत चाक चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सीएम ने कहा, तीव्र आवाज वाले साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न का प्रयोग न हो, सड़कों को अतिक्रमण कर वाहन पार्क न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्कूली बच्चों में जागरूकता लाए जाने के उद्देश्य से उन्हें ट्रैफिक नियमों की जानकारी दिए जाने को कहा।

शराब की अवैध बिक्री किसी भी हाल में न हो : मुख्यमंत्री ने कहा कि जहरीली और शराब की अवैध बिक्री कतई न होने पाए इसे सुनिश्चित किया जाए। शराब के अवैध ट्रांसपोर्टेशन पर कड़ी नजर रखें। लंबित राजस्व वादों का निस्तारण गुणवत्ता पूर्ण और समय सीमा के अंदर सुनिश्चित किया जाए।

अविवादित वरासत से जुड़े लंबित वादों का अविलंब निस्तारण किया जाए। अधिकारी नियमित जनसुनवाई करें और मेरिट के आधार पर समुचित समाधान सुनिश्चित कराए। जिले एवं कमिश्नरी स्तर पर व्यापार एवं उद्योग बंधु तथा बैंकों की नियमित बैठकें कराई जाए व उसमें प्राप्त शिकायतों का

निस्तारण किया जाए।

अफसरों ने बताए कामकाज

मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने मुख्यमंत्री के समक्ष भविष्य की प्रस्तावित परियोजनाओं के संबंध में प्रेजेंटेशन भी दिया गया। इससे पहले डीएम सत्येंद्र कुमार ने निर्माणाधीन विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने कानून व्यवस्था, गो तस्करों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई, साइबर अपराध समेत यातायात व्यवस्था की जानकारी मुख्यमंत्री को दी है। एडीजी जोन पियूष मोर्डिया ने जोन की कानून व्यवस्था, साइबर अपराधों के खिलाफ कार्रवाई, मिशन शक्ति समेत आगामी 14 व 15 मार्च को प्रस्तावित पुलिस उपनिरीक्षक परीक्षा के बारे में जानकारी दी है।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में स्टाम्प राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, महापौर अशोक तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, विधायक डॉ. अवधेश सिंह, डॉ. सुनील पटेल, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, धर्मेंद्र राय, अपर पुलिस आयुक्त शिवहरि मीणा, डीआईजी वैभव कृष्णा, विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल, सीडीओ प्रखर सिंह, डीएफओ स्वाति सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सिगरा स्थित फल मंडी रोड का औचक निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ग्रीन रोड्स इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम (सीएम ग्रिड्स योजना) के तहत चल रहे सड़क सुदृढ़ीकरण और सौंदर्यीकरण कार्यों की जमीनी हकीकत देखने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कार्य की गुणवत्ता और समयसीमा को लेकर अधिकारियों को कड़े दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मेयर अशोक कुमार तिवारी और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल मुख्यमंत्री के साथ मौजूद रहे।

चार पीढ़ियों से होली पर सौहार्द की फसल बांट रहा मुस्लिम परिवार

अलीगढ़, एजेंसी। सांप्रदायिक दृष्टि से संवेदनशील कस्बा जलाली में एक मुस्लिम परिवार ऐसा भी है जो चार पीढ़ियों से सौहार्द की फसल बांट रहा है। होली पर गेहूं और जौं की फसल भी तैयार होने लगती है और किसान अपनी फसल की बालियां होलिका में अग्निदेव को समर्पित करते हैं। जिन हिंदू परिवार के पास खेत नहीं है, उन्हें समस्या आती हैं, ऐसे एक मुस्लिम परिवार सौ से अधिक हिंदू परिवारों के यहां जौं की बालियां भिजवाता आ रहा है।

मोहल्ला गढ़ी निवासी गुड्डू नंबरदार बताते हैं कि उनके पिता जमालुद्दीन नंबरदार की जलाली में ननिहाल थी, उनके नाना मरहूम हबीब उल्लाह व अता उल्लाह रबी की फसल के साथ कुछ हिस्से में (लगभग तीन बीघा) जौ बोते थे, जिन्हें पूजन वाली होली के दिन काटकर हिंदुओं के घरों में भिजवाते थे। नाना के इंतकाल के बाद ये बीड़ा उनके मामा मौलाना अब्दुल हनीफ ने उठाया, उसके बाद पिता जमालुद्दीन नंबरदार ने भी ननिहाल की परंपरा को आगे बढ़ाया। उसके बाद उनके पुत्र नईमुद्दीन नम्बरदार ने इसे निभाया और 2003 में उनके इंतकाल के बाद से गुड्डू नंबरदार इस परंपरा का निर्वाहन कर रहे हैं। कस्बे के गोकुल चंद गोस्वामी, मानिक चंद्र शर्मा, सुभाष चंद्र वर्मा, राजेंद्र वर्मा, अनिल वार्ष्णेय आदि का कहना है कि होलिका दहन के बाद घर घर जाकर जौ बांटने की परंपरा है जिसके लिए होली पूजन के दिन गुड्डू नंबरदार के घर से जौ भेजे जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। एआई समिट में प्रदर्शन मामले में आरोपित 10 युवा कांग्रेस

कार्यकर्ताओं की जमानत याचिकाओं पर पटियाला हाउस कोर्ट ने रविवार को सभी पक्षों की दलीलों पर सुनवाई पूरी कर ली। पुलिस ने मामले पर सुनवाई के दौरान एक आरोपी सिद्धार्थ की चार दिन के पुलिस हिरासत की मांग की है। अदालत ने सभी पक्षों को सुनने के बाद कहा कि वह अपना निर्णय सुनाएगी। याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि उन पर लगे आरोप में सजा पांच साल से कम है इसलिए उन्हें जमानत दी जानी चाहिए। यह भी तर्क दिया गया कि नौ दिनों तक पूछताछ की जा चुकी है और अब उन्हें हिरासत में रखने का कोई औचित्य नहीं है। उनके न तो देश छोड़कर जाने का खतरा है और ही मामले में साक्ष्यों से छेड़छाड़ की कोई गुंजाइश है। जानबूझकर ऐसी जगह पर प्रदर्शन किया गया दिल्ली पुलिस ने जमानत याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा कि शाहीन बाग प्रदर्शन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था प्रदर्शन अधिकार हो सकता है, लेकिन राष्ट्र की छवि नहीं खराब होनी चाहिए। पुलिस ने कहा कि समिट में विदेशी डेलीगेट्स और विदेशी मीडिया मौजदू था और जानबूझकर ऐसी जगह पर प्रदर्शन किया गया, जबकि प्रदर्शन के लिए जंतर मंतर और दूसरी जगह भी है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार संविधान ने दिया है लेकिन कुछ शर्तें भी है। पुलिस ने यह भी कहा कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर हमला किया। दिल्ली पुलिस ने यह भी कहा कि यह सामान्य मामला नहीं है और इसका मकसद अलग था।

केजरीवाल की जंतर-मंतर पर हुई रैली को लेकर क्या बोली दिल्ली कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में जंतर–मंतर पर हुई आम आदमी पार्टी की रैली को लेकर कांग्रेस ने भाजपा और आप में मिलीभगत का आरोप लगाया है। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने रविवार को जारी बयान में कहा है कि युवा कांग्रेस को शांतिपूर्ण तरीके से जंतर मंतर पर कार्यक्रम की इजाजत नहीं दी गई। जबकि दो दिन बाद ही आप संयोजक अरविंद केजरीवाल को भ्रष्टाचार से बरी होने का जश्न मनाने के लिए इजाजत दे दी गई। इससे साफ जाहिर होता है कि दोनों में मिलीभगत है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान हुए भ्रष्टाचार की लगभग 14 विभागों की सीएजी रिपोर्टों पर भाजपा द्वारा एक साल में कार्यवाही नहीं करके ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। उन्होंने कहा, अब हजारों करोड़ के शराब घोटाले में केजरीवाल और उनके साथियों का बरी होना साबित करता है कि भाजपा और आप पार्टी में लंबे समय के लिए डील हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रशासन में भागीदारी और भ्रष्टाचार को दबाने की भाजपा और आम आदमी पार्टी की सांठगांठ किसी से छिपी नही है।

मध्य पूर्व तनावः दुबई में फंसे पुणे के 84 एमबीए छात्र, सभी सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी। पुणे के एक संस्थान में एमबीए की पढ़ाई करने वाले 84 छात्र पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के मद्देनजर हवाई क्षेत्र पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण दुबई में फंसे हुए हैं। संस्थान ने रविवार को यह जानकारी दी। इंदिरा स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज (आइएसबीएस) के अधिकारियों ने बताया कि संस्थान के छात्र वार्षिक पांच दिवसीय अध्ययन यात्रा के तहत दुबई गए थे। सभी छात्र सुरक्षित हैं। उन्हें एक होटल में ठहराया गया है। 40 छात्रों को शनिवार को पुणे लौटना था, वहीं शेष 44 छात्र–छात्राओं को रविवार को फ्लाइट लेनी थी। पश्चिम एशिया में संघर्ष व उसके परिणामस्वरूप हवाई क्षेत्र को बंद किए से वे लौट नहीं सकें। शैक्षिक संस्थान के डीन जनार्दन पवार ने बताया कि सभी सुरक्षित हैं। उन्हें एक होटल में ले जाया गया है। इंदिरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स की चेयरपर्सन तारिता शंकर ने बताया कि हम उनके साथ लगातार संपर्क में हैं।

अदालत के फैसले के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर 9 मार्च को सुनवाई

दिल्ली आबकारी नीतिः ट्रायल कोर्ट को भी घेरा

नईदिल्ली, एजेंसी। सीबीआई की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में 9 मार्च को सुनवाई होगी। यह मामला हाईकोर्ट की ज स्टि स स्वर्णकांता शर्मा की एकल पीठ के समक्ष सूचीबद्ध है। होली की छुट्टियों के बाद कोर्ट खुलते ही यह सुनवाई होगी। दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने राउज एवेन्यू कोर्ट के उस फैसले को

दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा कुल 23 आरोपियों को आरोपमुक्त किया था। याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में 9 मार्च को सुनवाई होगी। सीबीआई ने अपनी 974 पेज की लंबी याचिका में निचली अदालत के फैसले को चौंकाने वाला और गैरकानूनी करार दिया है। एजेंसी का कहना है कि ट्रायल कोर्ट ने महत्वपूर्ण सबूतों को नजरअंदाज किया और जांच में सामने आए तथ्यों पर सही से विचार नहीं किया। याचिका में दावा किया गया है कि आबकारी नीति में साजिश रचकर कुछ निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने का मामला स्पष्ट था, लेकिन निचली अदालत ने इसे नजरअंदाज कर दिया। मामला 2021-22 की दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़ा है, जिसे आप सरकार ने लागू किया था, लेकिन भ्रष्टाचार, रिश्वत और कार्टेलाइजेशन के आरोपों के बीच जुलाई 2022 में ही रद्द कर दिया गया था। सीबीआई ने आरोप लगाया था कि नीति को जानबूझकर इस तरह तैयार किया गया, ताकि शराब कारोबार में कुछ लोगों को एकाधिकार मिले और करोड़ों रुपये की रिश्वत का लेन-देन हुआ। 27 फरवरी 2026 को स्पेशल जज जितेंद्र सिंह की अदालत ने 598 पेज के आदेश में सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया था। अदालत ने कहा था कि सीबीआई का केस पूर्व नियोजित और बनावटी है। केवल बयानों पर केस बनाया गया। अदालत ने जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश दिए थे। सीबीआई की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में 9 मार्च को सुनवाई होगी।

खामेनेई की हत्या के विरोध में प्रदर्शन काली पट्टी बांधकर सड़कों पर उतरे लोग

● जम्मू-कश्मीर में भी लोगों में आक्रोश दिखा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और इजरायल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई की मौत के विरोध में उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली, बिहार और झारखंड समेत विभिन्न राज्यों में लोगों ने प्रदर्शन किया। ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड ने तीन दिनों का शोक घोषित किया है। राजधानी दिल्ली में जंतर-मंतर पर आयोजित शोक सभा में बड़ी संख्या बच्चे और महिलाएं भी शामिल हुईं। खामेनेई की तस्वीरें लिए लोगों ने लोगों ने बांह और माथे पर काली पट्टी बांध रखी थी।

ओखला समेत कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए तो जोरबाग स्थित कर्बला में कैंडल मार्च निकाला गया। ईरान सांस्कृतिक केंद्र में भी शोक सभा हुई, जिसमें भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। जमात-ए-इस्लामी हिंद के अध्यक्ष सैयद सआहतुल्लाह हुसैनी ने खामेनेई की मौत की कड़ी निंदा की। पुराने लखनऊ में मुसलमान समुदाय ने दुकानें बंद कर दीं। हिंदू व्यापारियों ने भी समर्थन में दुकानें नहीं खोलीं। चौक में छोटे इमामबाड़े में बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। शिया धर्मगुरु मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि शोक के दौरान तीन दिनों तक हम सभी काले कपड़े पहनें। अपने घरों पर काले पर्चे लहराएं। खामेनेई के लिए फातिहा पढ़ें और नज्र करें। पूरे कश्मीर में रविवार को प्रदर्शन हुए। विभिन्न धार्मिक संगठनों के मंच मुताहिदा मजलिस-ए-उलेमा ने सोमवार को कश्मीर बंद का आह्वान किया है। सरकार ने दो और तीन मार्च को कश्मीर में सभी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय बंद रखने का आदेश जारी किया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि वह ईरान में हुए घटनाक्रम से वह बेहद चिंतित हैं। मुख्यमंत्री ने पुलिस और प्रशासन से संयम बरतने को कहा है। पंजाब के मालेरकोटला में मुस्लिम समुदाय ने रोष मार्च निकाला। दीनी मरकज जामा मस्जिद लुधियाना के बाहर बड़ी संख्या में मुस्लिमों ने प्रदर्शन किया। बिहार के शेखपुरा में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कैंडल मार्च निकाला। कैंडल मार्च में शिया समुदाय के साथ बड़ी संख्या में सुन्नी समुदाय के लोग भी शामिल हुए। रांची के कर्बला चौक पर प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शिया समुदाय के लोग शामिल थे।

कर्ज के बोझ तले दबे शख्स ने पत्नी और तीन बेटियों को बेरहमी से मारा, पुलिस ने किया गिरफ्तार

● 800 सीसीटीवी कैमरे खंगाल कर 72 घंटे में पुलिस ने दबोचा

नई दिल्ली , एजेंसी। कर्ज में डूबे मुनचुन केवट ने ससुराल पक्ष से मदद नहीं मिलने और लेनदारों के फोन से परेशान होकर पत्नी की हत्या की साजिश पहले ही रच ली थी। इसके लिए वह कटहल काटने वाला चाकू वारदात के दो दिन पहले ही खरीदकर लाया था। घटना वाले दिन पत्नी का गला काटते समय बड़ी बेटी की आंख खुल गई और वह रोने लगी। इसके बाद उसने राजफाश होने के डर से बड़ी बेटी सहित तीनों मासूमों को मार डाला। कुल 13 लाख रुपये कर्ज लेकर वह ऑनलाइन सट्टे में हार चुका था। बीते कुछ दिनों से मिथलेश उसकी पत्नी अनीता को कॉल कर रुपये लौटाने का दबाव बना रहा था। उसने 23 फरवरी को मुनचुन को काल कर कहा कि अगर वह रुपये नहीं लौटा सकता है तो पत्नी और बेटियों को उनके हवाले कर दे। अनीता उसके साथ रहेगी, जबकि बेटियों से वह काम कराएगा। इस पर उसी दिन उसने पत्नी की हत्या करने की साजिश रच डाली और आजादपुर मंडी से 90 रुपये में कटहल काटने वाला चाकू खरीदकर घर ले जाकर छिपा दिया। पुलिस जांच में पता चला कि मंगलवार दोपहर वह आजादपुर मंडी से घर आ गया था। शाम को होली की खरीदारी की। फिर रात में

सभी के सोने का इंतजार करने लगा। इसके बाद सोते समय उसने पत्नी का गला काट दिया, लेकिन उसी समय बड़ी बेटी जाग गई और रोने लगी। इस पर उसने तीनों बेटियों का भी गला काट दिया। इसके बाद बुधवार तड़के ई-रिक्शा से जीटी करनाल हाईवे तक पहुंचा। फिर वहां से ऑटो से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचकर शताब्दी ट्रेन से बिना टिकट किशनगढ़ मंडी पहुंच गया। जहां छिपकर रह रहा था। समयपुर बादली पुलिस ने आरोपित को यहीं से शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित मुनचुन ने पूछताछ के दौरान बताया कि पत्नी और तीन बेटियों की हत्या के बाद उसने आत्महत्या का मन बनाया था। इसी लिए वह बादली रेलवे स्टेशन गया था, ताकि ट्रेन के सामने आकर जान दे सके। लेकिन, स्टेशन पर पहुंचने के बाद मन बदल गया और शताब्दी ट्रेन से किशनगढ़ स्थित सब्जी मंडी पहुंच गया। जहां उसने छह वर्ष पूर्व काम किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्पेशल सीपी कानून व व्यस्था रविंद्र सिंह यादव, पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी, समयपुर बादली एसएचओ शैलेंद्र सिंह जाखड़, एंटी-नारकोटिक्स सेल इंस्पेक्टर गौरव चौधरी, एएटीएस इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार और स्पेशल स्टाफ इंस्पेक्टर आनंद कुमार झा के नेतृत्व में एक बड़ी टेक्निकल जांच शामिल थी, जिसमें 800 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों का एनालिसिस और फेशियल रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) टेक्नोलाजी का इस्तेमाल शामिल था।

केंद्र सिखों के सम्मान और न्याय के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार सिख समुदाय के सम्मान और न्याय के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। मोदी ने नवी मुंबई में हिंद-दी-चादर कार्यक्रम में गुरु तेग बहादुर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सिख गुरुओं की विरासत का पालन करने वाले इस समागम को यज्ञ बताया। मोदी ने रविवार को नवी मुंबई के खारघर में गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत वर्षगांठ के अवसर पर वीडियो संदेश में कहा, हमारी सरकार सिख समुदाय के सम्मान और न्याय के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। यह प्रतिबद्धता 1984 (एंटी-सिख) दंगों की जांच के लिए एसआइटी (विशेष जांच दल) की स्थापना में दिखाई देती है। उन्होंने बताया कि सरकार ने जम्मू और कश्मीर में सिख परिवारों के लिए पुनर्वास पैकेज लागू किए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हर वर्ग और समाज के लोग हमारे गुरुओं से प्रेरणा लेते थे। मोदी ने कहा, हमारी सरकार अफगानिस्तान से सरूप (श्री गुरु ग्रंथ साहिब की प्रतियां) सुरक्षित रूप से वापस लाई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पंजाब में मतांतरण हो रहे हैं और उन्होंने भगवंत मान सरकार और आम लोगों से इस लालच से प्रेरित प्रथा को रोकने की अपील की। शाह ने खारघर में गुरु तेग बहादुर की 350वीं शहादत वर्षगांठ पर हिंद-दी-चादर कार्यक्रम में कहा कि पंजाब में धार्मिक स्तर पर मतांतरण हो रहा है।

तेहरान में फिर सुनाई दी जोरदार धमाकों की आवाज; इस्राइल ने बेरूत में बमबारी की

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। अमेरिका और इस्राइल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ईरान पर हवाई हमले किए थे, जिनमें ईरान के कई शहर निशाने पर आए। आज फिर ईरान की राजधानी तेहरान के विभिन्न हिस्सों में लगातार जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं हैं। हालात लगातार बदल रहे हैं और क्षेत्र में संभावित बड़े संघर्ष का खतरा बढ़ गया है। नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता जारी है। इराकी सुरक्षा सूत्रों के अनुसार राजधानी बगदाद के दक्षिण में स्थित जुरफ अल-सखर इलाके में हवाई हमले की सूचना मिली है। फिलहाल हमले की व्यापकता और नुकसान का विवरण सामने नहीं आया है। सुरक्षा बल इलाके की निगरानी कर रहे हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। दक्षिणी लेबनान से बेरूत की ओर भारी पलायन लेबनान की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी के अनुसार, इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच हुई गोलीबारी के बाद देश के दक्षिणी हिस्से से लोगों का भारी पलायन शुरू हो गया है। टायर क्षेत्र से बेरूत और उत्तरी लेबनान की ओर बड़ी संख्या में लोग जा रहे हैं। नागरिक सुरक्षा दल इस समय सड़क यातायात को नियंत्रित कर रहे हैं ताकि पलायन सुरक्षित तरीके से हो सके। इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के कम से कम 53 गांवों और कस्बों के निवासियों को अपने घर खाली करने का आदेश दिया है, जिससे स्थानीय लोगों में सुरक्षा की भावना बढ़ी है। कतर ने ईरानी हमलों के जवाब में अपनी सुरक्षा रणनीति में बदलाव किया है। पिछले 48 घंटों में देश ने पैट्रियट डिफेंस सिस्टम तैनात किया था ताकि मिसाइल और ड्रोन को रोक सके, लेकिन इससे गिरते मलबे का खतरा भी बना रहता था। अब कतर की रक्षा मंत्रालय ने फैसला किया है कि लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल कर मिसाइलों को सीधे शहर दोहा के ऊपर नहीं, बल्कि गल्फ के पानी में नष्ट किया जाएगा।

ईरान में हैकिंग से हलचल, इजरायल ने हैक किया नमाज ऐप; और गुप्त संदेश से काम तमाम

तेहरान, एजेंसी। तेहरान में भयंकर तबाही मचाने वाले अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हमलों के बीच एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल ने ईरान के लाखों मुसलमानों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले लोकप्रिय प्रार्थना ऐप बदेसाबा कैलेंडर को हैक कर लिया और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के जवानों से शासन के खिलाफ बगावत करने, हथियार डालने और देश को आजाद कराने का आह्वान किया। मदद आ गई है जैसे संदेशों से भरे नोटिफिकेशन ने लाखों फोनों पर धमाल मचा दिया, ठीक उसी समय जब मिसाइलें तेहरान पर बरस रही थीं और सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई सहित

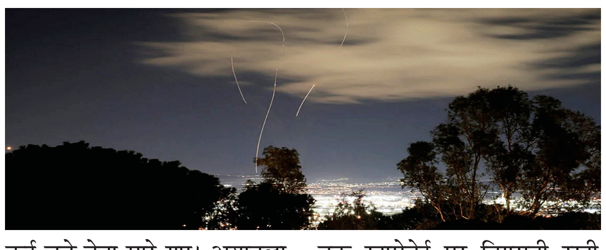

कई बड़े नेता मारे गए। अयातुल्ला अली खामेनेई को अमेरिका और इजरायल द्वारा तेहरान पर किए गए सैन्य हमलों की एक श्रृंखला में मार दिया गया है। इन हमलों में दो वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की भी मौत हो गई। ये हमले वाशिंगटन और तेल अवीव द्वारा इस्लामी गणराज्य में सत्ता परिवर्तन की प्रतिज्ञा के बाद हुए। रिपोर्ट के अनुसार, इस ऑपरेशन में अमेरिकी केंद्रीय खुफिया एजेंसी की खुफिया जानकारी का उपयोग किया गया, जिसने महीनों तक खामेनेई पर निगरानी रखी थी।

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, मामले से जानकार लोगों के हवाले से बताया गया कि सीआईए को शनिवार सुबह मध्य तेहरान में एक नेतृत्व परिसर में शीर्ष ईरानी अधिकारियों की एक नियोजित बैठक की जानकारी मिली थी। बताया गया कि रात के समय होने वाले इन हमलों को सीआईए की इस जानकारी के आधार पर समय से पहले कर दिया गया।

पश्चिम एशिया में कब छटेंगे संकट के बादल- ईरान के साथ संघर्ष पर ट्रंप बोले- चार हफ्ते और चल सकता है युद्ध

वॉशिंगटन, एजेंसी। इस्राइल और अमेरिका के सशस्त्र हमलों ने बीते 36 घंटो से ईरान को जमींदोज कर दिया है। सैकड़ों लक्ष्य मिनटों में तबाह हो गए और नौ जहाज और उनके नौसैनिक भवन खाक हो गए। इतना नहीं इस्राइल और अमेरिका के इन हमलों में ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत भी हो गई, जिसनें पूरे देश को झकझोर दिया। बात यही तक नहीं थमी, जवाब में ईरान ने भी इस्राइल पर हमले किए और खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर खूब बमबारी की। ऐसे में अब एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस युद्ध को लेकर अपना सख्त रुख अपनाया है। साथ ही यह भी बताया कि यह संघर्ष अभी और कितना चलेगा। आइए जानते हैं। संघर्ष और फिर बढ़ते हमलों के बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने एक वीडियो संदेश जारी कर ईरान को फिर से चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक अमेरिका के मजबूत उद्देश्य पूरे नहीं होते। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सैनिकों की शहादत के बाद अमेरिका और इस्राइल ने आतंकवादियों को निर्णायक और दर्दनाक जवाब देने की कसम खाई। वीडियो संदेश में ट्रंप ने आगे कहा कि यह युद्ध केवल सत्ता नहीं बल्कि न्याय और सुरक्षा की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि पिछले 36 घंटों में अमेरिका और उसके साझेदारों ने ऑपरेशन एपिक फ्यूरी शुरू किया है। यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा और जटिल सैन्य अभियान है। उन्होंने कहा कि इस हमले में ईरान के सैकड़ों लक्ष्य निशाना बनाए गए हैं, जिसमें ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड की सुविधाएं और एयर डिफेंस सिस्टम शामिल हैं। ट्रंप ने बताया कि नौ ईरानी जहाज और उनका नौसैनिक भवन मिनटों में नष्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खामेनेई की मौत हो गई है। ट्रंप ने कहा कि खामेनेई ने अमेरिका और अन्य देशों में कई निर्दोष लोगों का खून बहाया। ट्रंप ने बताया कि ईरान के कई सैनिक और अधिकारी अब अपनी जान बचाने के लिए आत्मसमर्पण करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लड़ाई अभी पूरी ताकत से जारी है और तब तक चलेगी जब तक अमेरिका के सारे उद्देश्य पूरे न हों। ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका के उद्देश्य बहुत मजबूत हैं।

मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच राहत! अबू धाबी में फंसे लोगों का होटल खर्च देगी सरकार

अबूधाबी, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और उड़ानों में बड़े पैमाने पर व्यवधान के बीच अबू धाबी के संस्कृति और पर्यटन विभाग ने अमीरात के सभी होटलों को निर्देश दिया है कि वे यात्रा प्रतिबंधों के कारण फंसे मेहमानों को अपना ठहराव बढ़ाने की अनुमति दें। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और उड़ानों में बड़े पैमाने पर व्यवधान के बीच अबू धाबी के संस्कृति और पर्यटन विभाग ने अमीरात के सभी होटलों को निर्देश दिया है कि वे यात्रा प्रतिबंधों के कारण फंसे मेहमानों को अपना ठहराव बढ़ाने की अनुमति दें। सरकार अतिरिक्त खर्च वहन करेगी। गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, 28 फरवरी 2026 को होटलों के महाप्रबंधकों को जारी एक परिपत्र में विभाग ने कहा कि कुछ आगंतुक अपनी निर्धारित चेक-आउट तिथि पर पहुंच गए थे, लेकिन अपने नियंत्रण से बाहर की परिस्थितियों के कारण होटल छोड़ने में

असमर्थ हैं। बताया जा रहा है कि यह निर्देश मध्य पूर्व में बढ़े हुए क्षेत्रीय तनावों की पृष्ठभूमि में आया है, जिसने उड़ान संचालन को बाधित कर दिया है और क्षेत्र के कुछ हिस्सों में यात्रा पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिए हैं। डीसीटी ने स्पष्ट किया कि विस्तारित आवास का वित्तीय बोझ न होटलों पर पड़ेगा और न ही मेहमानों पर। नोटिस में कहा गया है कि विस्तारित प्रवास का खर्च डीसीटी अबू धाबी द्वारा वहन किया जाएगा और होटलों से संबंधित बिल विभाग के निर्दिष्ट ईमेल पते पर भेजने का अनुरोध किया गया है। समन्वय को बेहतर बनाने के लिए, विभाग ने अपनी व्यावसायिक निरंतरता टीम के संपर्क विवरण भी साझा किए हैं। इस कदम की सोशल मीडिया पर काफी सराहना हुई है, और कई लोग इसे पर्यटकों तथा अमीरात के आतिथ्य क्षेत्र दोनों पर यात्रा व्यवधानों के प्रभाव को कम करने वाला एक सक्रिय और सराहनीय कदम मान रहे हैं। 2018 के कानून संख्या 8 का हवाला दिया गया है, जिसके तहत अबू धाबी में पर्यटन विभाग (डीसीटी) की स्थापना हुई थी और इसे पर्यटन उद्योग को विनियमित करने तथा समर्थन देने का अधिकार प्राप्त है। इसी तरह, दुबई के अर्थव्यवस्था और पर्यटन विभाग ने भी होटल संचालकों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रभावित मेहमानों को उनकी मूल बुकिंग की शर्तों के अनुसार ही ठहरने की अवधि बढ़ाने की अनुमति दें। होटलों को विभाग को मूल बुकिंग, बढ़ाई गई अवधि की तारीख और किसी भी परिचालन समस्या की पूरी जानकारी देने का भी निर्देश दिया गया है।

संपादकीय | बच्चों को हिंसक नहीं, संवेदनशील बनाए

देश में इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं और सामान्य परीक्षाएं भी शुरू होने वाली हैं. हर साल की तरह इस बार भी परीक्षा का मौसम केवल प्रश्नपत्रों और परिणामों का नहीं, बल्कि मानसिक दबाव, चिंता और असुरक्षा का मौसम बनता जा रहा है. छात्रों के चेहरों पर भविष्य की चिंता साफ पढ़ी जा सकती है. यह चिंता केवल अच्छे अंक लाने की नहीं, बल्कि अपेक्षाओं के बोझ को ढोने की है. दुर्भाग्य यह है कि यह दबाव कई बार इतना असहनीय हो जाता है कि वह आत्मघाती या हिंसक रूप ले लेता है.

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं. वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है. यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है. इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं. लेकिन हाल ही में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है.

लखनऊ की घटना केवल परीक्षा के दबाव की कहानी नहीं है, बल्कि परिवारों में बढ़ती संवेदनहीनता, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा का दर्पण है. पुलिस जांच के अनुसार एक पैथोलॉजी लैब संचालक पिता अपने बेटे को डॉक्टर बनाना चाहते थे और उस पर नीट जैसी परीक्षा पास करने का लगातार दबाव बना रहे थे. घटना वाले दिन भी दोनों के बीच बहस हुई और 21 वर्षीय युवक ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी. इसके बाद उसने अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े किए, कुछ बाहर फेंके, कुछ घर में छिपाए, छोटी बहन को धमकाया और पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले लापता होने और फिर आत्महत्या की कहानी गढ़ी.

यह सब बताता है कि यह क्षणिक आवेश नहीं था, बल्कि भीतर लंबे समय से पल रही कुंठा, आक्रोश और मानसिक विघटन का परिणाम था. प्रश्न यह है कि एक बेटे के भीतर इतनी नफरत कैसे पनप सकती है? क्या 'कुछ बनने' का दबाव इतना भारी हो सकता है कि वह रिश्तों को भी तार-तार कर दे? हर माता-पिता चाहते हैं कि उनकी संतान सफल हो, प्रतिष्ठित करियर बनाए, समाज में सम्मान पाए. लेकिन जब यह चाहत संवाद और सहयोग की जगह नियंत्रण और दबाव का रूप ले लेती है, तब वह प्रेरणा नहीं, मानसिक उत्पीड़न बन जाती है. ऐसे में शिक्षा जीवन-निर्माण का माध्यम न होकर, विनाश का कारण बन जाती है.

शिक्षा का उद्देश्य जीवनदायिनी होना चाहिए- विवेक, संवेदना और आत्मविश्वास का विकास करना चाहिए. लेकिन जब शिक्षा केवल प्रतिस्पर्धा और रैंकिंग का माध्यम बन जाए, तो वह तनाव और हिंसा को जन्म देती है. अब समय है कि हम सामूहिक आत्ममंथन करें. शिक्षा को जीवन का उत्सव बनाएं, न कि भय का कारण. बच्चों को लक्ष्य दें, लेकिन उनके पंख न काटें. सपने दिखाएं, पर उन्हें सांस लेने की जगह भी दें. जब तक हम सफलता की परिभाषा को व्यापक नहीं करेंगे और बच्चों को अंक से अधिक मनुष्य मानना नहीं सीखेंगे, तब तक यह संकट बना रहेगा.

योगी आदित्यनाथ की विदेश यात्रा से विकास और हिंदुत्व मॉडल हुआ मजबूत!

कमलेश पांडे

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री और फायरब्रांड हिन्दू नेता योगी आदित्यनाथ की हालिया सिंगापुर–जापान यात्रा प्रदेश की आर्थिक महत्वाकांक्षाओं को मजबूत करने का एक सशक्त प्रयास है। भले ही सीएम का यह दौरा निवेश आकर्षण और औद्योगिक साझेदारी पर केंद्रित रहा। लेकिन इन दौरों से इस बात के स्पष्ट संकेत मिले कि विकास और हिंदुत्व के मॉडल पर गतिशील यूपी सरकार के लिए निकट भविष्य में 1 ट्रिलियन डॉलर की सूबाई इकॉनमी वाले लक्ष्य को पाना बिल्कुल कठिन नहीं है। आर्थिक विश्लेषक बता रहे हैं कि जिस तरह से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सहयोगी उपमुख्यमंत्री और भरोसेमंद मंत्रियों के साथ 22 से 26 फरवरी 2026 तक चार दिवसीय विदेश यात्रा पर रहे, उसका अपना महत्व है। सर्वप्रथम उन्होंने 23–24 फरवरी को सिंगापुर की यात्रा की और फिर 25–26 फरवरी को जापान की यात्रा किए।इन दोनों यात्राओं से उन्हें अभूतपूर्व अनुभव हासिल हुआ, जिसके कुछ पलों को उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा भी किया था। कहना न होगा कि 2017 में यूपी की कमान थामने के बाद उनका यह पहला आधिकारिक विदेश दौरा था, जहां उन्होंने निवेशकों, उद्योग प्रतिनिधियों और प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की। इसलिए योगी की इस विदेश यात्रा के अपने सूबाई मायने हैं, जिसे समझने की जरूरत है। पहला, यह यात्रा यूपी को 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को गति देगी, विशेषकर अवसंरचना, लॉजिस्टिक्स, डेटा सेंटर और कौशल विकास में निवेश पर फोकस के साथ। दूसरा, सिंगापुर–जापान जैसे औद्योगिक केंद्रों से साझेदारी प्रदेश को 'मेक इन यूपी' हब बनाने में मदद करेगी, जो राज्य की वैश्विक ब्रांडिंग को मजबूत करेगी। तीसरा, योगी आदित्यनाथ की सिंगापुर–जापान यात्रा से उत्तर प्रदेश को कुल 2.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 1.5 लाख करोड़ रुपये के एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सिंगापुर से लगभग 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनमें 60 हजार करोड़ के एमओयू शामिल हैं। वहीं, जापान से अतिरिक्त निवेश प्रतिबद्धताएं आई हैं, जो कुल को 2.5 लाख करोड़ तक ले गईं। इन निवेश प्रस्तावों में सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, ऑटोमोटिव, कृषि मशीनरी, लॉजिस्टिक्स, ग्रीन हाइड्रोजन और एविएशन (एमआरओ) जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित है। वो भी नामचीन कंपनियों, जैसे–कुबोटा, स्पार्क मिंडा, सुजुकी, होंडा और मित्सुई यदि से, जिनकी अपनी वैश्विक कारोबारी साख है। जानकारों के मुताबिक, यदि सरकार इन प्रस्तावों को तय समयसीमा में धरातल पर उतारने का लक्ष्य रखती है, और अपने मकसद में कामयाब होती है तो उत्तरप्रदेश में लाखों रोजगार सृजित होंगे और सूबे के 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को महत्वपूर्ण गति मिलेगी। खास बात यह कि योगी आदित्यनाथ की सिंगापुर–जापान यात्रा ने भाजपा को विकास और हिंदुत्व के मॉडल को मजबूत करने का मौका दिया है। राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि मुख्यमंत्री का यह दौरा 2027 विधानसभा चुनावों में योगी सरकार की छवि को चमकाने का साधन बनेगा। तभी तो उनका यह दौरा आगामी चुनावों से पहले योगी सरकार की विकास–केंद्रित छवि को रेखांकित करता है। वहीं विपक्ष के सवालों के बावजूद निवेश कूटनीति को बढ़ावा देता है। इससे यूपी की अर्थव्यवस्था को ग्लोबल पटल पर मजबूती मिलेगी। यात्रा से प्राप्त 2.5 लाख करोड़ निवेश प्रस्तावों को भाजपा 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य से जोड़कर प्रचारित करेगी, जो युवाओं में रोजगार सृजन का वादा मजबूत करेगा।

आज का कार्टून

शिक्षा में न्यायपालिका: संवाद की जरूरत या विवाद की राजनीति?

ललित गर्ग

> शिक्षा का उद्देश्य केवल तथ्य देना नहीं, दृष्टि देना है। यदि हम बच्चों को यह सिखाते हैं कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है, तो साथ ही यह भी सिखाना होगा कि न्यायपालिका ने भ्रष्टाचार से लड़ने में कैसी भूमिका निभाई है, उसने प्रशासनिक दुरुपयोग पर कैसे अंकुश लगाया है, नागरिक अधिकारों की रक्षा में कैसे ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। शिक्षा में आलोचना हो, पर निराशा नहीं, तथ्य हों, पर संतुलन भी हो। यदि किसी अध्याय में केवल संस्थागत विकृतियों का उल्लेख हो और सुधारात्मक प्रयासों, आदर्श उदाहरणों और संवैधानिक मूल्यों का समुचित विवेचन न हो, तो वह शिक्षा में मूल्यों एवं आदर्शों के बजाय अविश्वास का बीजारोपण बन सकता है। यह विवाद एक बड़े प्रश्न को भी जन्म देता है-पाठ्य पुस्तकों की निर्माण प्रक्रिया में बहुस्तरीय समीक्षा के बावजूद ऐसी सामग्री कैसे प्रकाशित हो जाती है? क्या संपादकीय बोर्ड में विविध दृष्टिकोणों का अभाव है? क्या विधि विशेषज्ञों, शिक्षाशास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों के बीच समन्वय पर्याप्त नहीं है? एक लोकतांत्रिक समाज में संस्थाओं की आलोचना वर्जित नहीं हो सकती, पर आलोचना और अवमूल्यन के बीच महीन रेखा होती है।

एक बार फिर शिक्षा से जुड़ा एक प्रश्न राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है। शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा प्रकाशित आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में 'हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका' शीर्षक अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और लंबित मुकदमों का उल्लेख किए जाने पर भारत का सर्वोच्च न्यायालय ने नाराजगी प्रकट की। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की यह टिप्पणी कि 'किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने नहीं दिया जाएगा' केवल एक भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि संस्थागत गरिमा की रक्षा का संकेत है। इसके बाद संबंधित अध्याय को हटाने और बाजार में उपलब्ध पुस्तकों को वापस लेने का निर्णय लिया गया। प्रश्न यह है कि क्या यह केवल एक संपादकीय चूक थी या हमारे शैक्षिक ढांचे में कहीं गहरी संरचनात्मक कमी है? प्रश्न है कि स्कूली बच्चों को 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' के बारे में जानकारी देने से किस हित की पूर्ति होने वाली है? लेकिन इसमें दो मत नहीं है कि न्यायिक तंत्र के साथ हर क्षेत्र में फैली भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के ठोस उपाय होने ही चाहिए। सबसे पहले यह भी स्वीकार करना होगा कि न्यायपालिका में लंबित मामलों और भ्रष्टाचार जैसे प्रश्न पूरी तरह काल्पनिक नहीं हैं। न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या करोड़ों में है, यह एक सार्वजनिक तथ्य है। कुछ मामलों में न्यायिक आचरण पर भी प्रश्न उठे हैं। परंतु उतना ही सत्य यह भी है कि भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर अपनी स्वतंत्रता, पारदर्शिता और सक्रियता से लोकतंत्र की रक्षा की है। पिछले वर्षों में शीर्ष न्यायाधीशों द्वारा अपनी संपत्तियों का सार्वजनिक विवरण देने की सहमति जैसे कदमों ने संस्थागत पारदर्शिता को सुदृढ़ किया है। ऐसे में प्रश्न यह नहीं है कि समस्या है या नहीं, प्रश्न यह है कि उसे किस भाषा, किस संतुलन और किस शैक्षिक दृष्टि से प्रस्तुत किया जाए।

शिक्षा का उद्देश्य केवल तथ्य देना नहीं, दृष्टि देना है। यदि हम बच्चों को यह सिखाते हैं कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है, तो साथ ही यह भी सिखाना होगा कि न्यायपालिका ने भ्रष्टाचार से लड़ने में कैसी भूमिका निभाई है, उसने प्रशासनिक दुरुपयोग पर कैसे अंकुश लगाया है, नागरिक अधिकारों की रक्षा में कैसे ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। शिक्षा में आलोचना हो, पर निराशा नहीं, तथ्य हों, पर संतुलन भी हो। यदि किसी अध्याय में केवल संस्थागत विकृतियों का उल्लेख हो और सुधारात्मक प्रयासों, आदर्श उदाहरणों और संवैधानिक मूल्यों का समुचित विवेचन न हो, तो वह शिक्षा में मूल्यों एवं आदर्शों के बजाय अविश्वास का बीजारोपण बन सकता है। यह विवाद एक बड़े प्रश्न को भी जन्म देता है-पाठ्य पुस्तकों की निर्माण प्रक्रिया में बहुस्तरीय समीक्षा के बावजूद ऐसी सामग्री कैसे प्रकाशित हो जाती है? क्या संपादकीय बोर्ड में विविध दृष्टिकोणों का अभाव है? क्या विधि विशेषज्ञों, शिक्षाशास्त्रियों और मनोवैज्ञानिकों के बीच समन्वय पर्याप्त नहीं है? एक लोकतांत्रिक समाज में संस्थाओं की आलोचना वर्जित नहीं हो सकती, पर आलोचना और अवमूल्यन के बीच महीन रेखा होती है। शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी जैसी संस्थाओं का दायित्व है कि वे इस रेखा को पहचानें।

यह भी स्मरणीय है कि भ्रष्टाचार केवल न्यायपालिका तक सीमित समस्या नहीं है। हाल ही में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की इसी महीने जारी रिपोर्ट के मुताबिक करप्शन परसेप्शन इंडेक्स में 182 देशों के बीच भारत की रैंक 91 है। पिछले साल के मुकाबले भारत ने 5 स्थान का सुधार किया है, यह स्थिति सुधार के बावजूद मध्य स्तर पर बनी हुई बताई गई है। इसका अर्थ है कि भ्रष्टाचार एक संरचनात्मक, सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती है। यदि हम बच्चों को इसके बारे में पढ़ाते हैं तो उसे एक समग्र सामाजिक संदर्भ में पढ़ाया जाना चाहिए कि यह समस्या क्यों उत्पन्न होती है, इसे रोकने के लिए क्या संवैधानिक तंत्र हैं, नागरिकों की क्या भूमिका है और सुधार की संभावनाएं क्या हैं। केवल किसी एक संस्था को केंद्र में रखकर समस्या का चित्रण करना न तो शैक्षिक रूप से न्यायोचित है और न ही संवैधानिक संतुलन के अनुरूप। न्यायपालिका की गरिमा का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र तीन स्तंभों-विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका पर आधारित है। यदि किसी एक स्तंभ के प्रति बच्चों के मन में अविश्वास की भावना बिना सम्यक् विश्लेषण के उत्पन्न हो जाए, तो यह दीर्घकाल में लोकतांत्रिक संस्कृति के लिए हानिकारक हो सकता है। परंतु गरिमा की रक्षा का अर्थ यह भी नहीं कि समस्याओं पर मौन साध लिया जाए। गरिमा और पारदर्शिता परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। न्यायपालिका की वास्तविक प्रतिष्ठा उसकी आलोचना सहने की क्षमता, आत्मसुधार की तत्परता और नैतिक दृढ़ता से बढ़ती है। इस संदर्भ में एक नई शैक्षिक संरचना की आवश्यकता अनुभव होती है। पाठ्य पुस्तकों में 'संस्थागत अध्ययन' का प्रारूप इस प्रकार विकसित किया जा सकता है जिसमें तीन आयाम हों-संविधान द्वारा प्रदत्त भूमिका, वास्तविक चुनौतियां और सुधार की पहल। उदाहरण के लिए, न्यायपालिका पर अध्याय में उसके ऐतिहासिक निर्णय, जनहित याचिका की परंपरा, मौलिक अधिकारों की रक्षा, साथ ही लंबित मामलों की समस्या और न्यायिक सुधार आयोगों की सिफारिशों का संतुलित उल्लेख किया जाए। इससे छात्र न तो अंधभक्त बनेंगे और न ही निंदक, वे सजग नागरिक बनेंगे।

शिक्षा मंत्रालय को भी इस अवसर को आत्ममंथन के रूप में लेना चाहिए। विवाद के बाद अध्याय हटाना तात्कालिक समाधान हो सकता है, पर स्थायी समाधान नहीं। आवश्यकता है एक स्वतंत्र, बहुविषयी समीक्षा तंत्र की, जिसमें विधि विशेषज्ञ, पूर्व न्यायाधीश, शिक्षाशास्त्री, समाजशास्त्री और बाल मनोविज्ञान के जानकार शामिल हों। साथ ही, सार्वजनिक परामर्श की परंपरा विकसित की जा सकती है ताकि पाठ्य पुस्तकें केवल सरकारी दस्तावेज न रहकर सामाजिक सहमति का दस्तावेज बनें। न्यायपालिका भी इस प्रसंग में रचनात्मक पहल कर सकती है। यदि वह स्वयं विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के लिए न्यायिक साक्षरता कार्यक्रम आरंभ करे, न्यायालयों के कार्यप्रणाली पर सरल और संतुलित अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराए, तो इससे भ्रांतियों का निवारण होगा। न्यायपालिका की पारदर्शिता और संवादशीलता उसकी गरिमा को और सुदृढ़ करेगी।

अंततः यह विवाद हमें यह सोचने को विवश करता है कि हम अपने बच्चों को कैसी नागरिकता का संस्कार देना चाहते हैं। क्या हम उन्हें केवल समस्याओं का बोध देंगे या समाधान की प्रेरणा भी देंगे? क्या हम उन्हें संस्थाओं पर अविश्वास करना सिखाएँगे, या सुधार में सहभागी बनने की चेतना से सम्पन्न बनायेंगे? लोकतंत्र का भविष्य पाठ्य पुस्तकों की पंक्तियों में ही आकार लेता है। इसलिए आवश्यक है कि शिक्षा में सत्य हो-पर संतुलित, आलोचना हो-पर रचनात्मक और संस्थाओं की गरिमा अक्षुण्ण रखते हुए सुधार की राह भी खुली रहे। भ्रष्टाचार एक गंभीर राष्ट्रीय चुनौती है, पर उसका समाधान संस्थाओं को कटघरे में खड़ा कर देने से नहीं, बल्कि उन्हें अधिक उत्तरदायी और पारदर्शी बनाकर ही निकलेगा। शिक्षा का कार्य इसी संतुलन को साधना है। यदि यह विवाद हमें अधिक परिपक्व, संवादशील और उत्तरदायी शैक्षिक व्यवस्था की ओर ले जाए, तो यह एक नई दिशा, नई दृष्टि और नई संरचना के प्रादुर्भाव का अवसर सिद्ध हो सकता है। लोकतंत्र की सच्ची शक्ति आलोचना और आत्मसुधार के समन्वय में ही निहित है, और यही संतुलन हमारी पाठ्य पुस्तकों में भी प्रतिबिंबित होना।

सोच का चक्रव्यूह: क्या हम सिर्फ अतीत का दोहराव जी रहे हैं?

> हाल ही में मोहनजोदाड़ो और हड़प्पा सभ्यता पर एक ताजा शोध पत्र जारी हुआ। शोध में यह जानने की कोशिश की गई है कि लगभग दस हजार साल पुरानी दुनिया की सबसे विकसित सभ्यता समाप्त कैसे हुई। कहां गए वे लोग, जिन्होंने इस विकसित सभ्यता का निर्माण किया? इस सभ्यता के अवशेष बताते हैं कि यहां अति-विकसित बहुमंजिला इमारतें हुआ करती थीं। मल निस्तारण के लिए फ्लश शौचालय बनाए जाते थे। सीवर लाइनें थीं। इस तरह से आज की अधुनातन ऊंची इमारतें, विकसित कालोनियां और फ्लश शौचालय उस सभ्यता का दोहराव मात्र नहीं हैं? फिर सवाल उठता है कि सर्वथा नया कहां है? पुराने से मुक्ति का मार्ग क्या है?

समय एक-सा नहीं रहता। बदलता रहता है। मान्यता है कि समय की स्लेट पर इतिहास लिखे जाते हैं। जीवन में लिखे का बड़ा महत्त्व होता है, क्योंकि लिखे को बदलना आसान नहीं होता। ऐसा कहा जाता है कि इतिहास अपने आपको दोहराता है। समय के चक्र में दोहराव चलता रहता है। यही दोहराव जब बार-बार होने लगे, तब नया रुक जाता है। नए की आवक अवरुद्ध हो जाती है और नए को नया मानना बेहद कठिन हो जाता है।

हमारे चारों ओर जो कुछ भी है, इसके विस्तार में जाएं, तो वह सब पुराना है। चिंतकों का तर्क है कि हम जो भी देख रहे हैं, सुन रहे हैं या बोल रहे हैं, वह सब पुराना है। नया कुछ भी नहीं। यहां तक कि व्यक्ति की सोच भी नई नहीं है। दरअसल, नई सोच का आना लगभग असंभव हो गया है। व्यक्ति जो भी सोच रहा होता है, वह महज दोहराव रह गया है। इसे यों भी कहा जा सकता है कि व्यक्ति की कुल सोच में दोहराव की मात्रा सबसे अधिक होती है। व्यक्ति बार-बार वही सोचता है जो उसने पूर्व में सुना या देखा होता है। बचपन से लेकर आज तक जो सीखा या सिखाया जाता है, उसी का दोहराव अंदर चलता रहता है। उठते-बैठते, सोते-जागते मन में विचारों के दोहराव का क्रमचय-संचय चलता रहता है। इनमें से कुछ विचारों के संचय को नई सोच का निर्धारण मान लिया जाता है। फिर सवाल उठता है कि व्यक्ति के शैशव काल में जो सिखाया जाता है वह तो नया ही होता है! सच यह है कि बच्चों को सिखाने वाला भी वही सिखाता है, जो उसने पूर्व में सीखा हुआ होता है। धरती की उत्पत्ति के बाद से सोच का करोड़ों-करोड़ों बार दोहराव होता आया है। होता रहेगा। सोच और विचारों की पुनरुक्ति चाहे-अनचाहे होती रहती है।

इसलिए आज के समय की विडंबना है कि नयापन रुक गया है। पुनरुक्ति से नयापन लगभग समाप्त हो रहा है। दृश्य और श्रव्य के इलेक्ट्रानिक साधन ये काम बखूबी कर रहे हैं। सोशल मीडिया दोहराव के मंच हैं। इसलिए दोहराव आसान है और नई सोच का निर्माण कठिन। जो दोहराव से बच गया, वह अमर हो सकता है। दुनिया में ऐसे लोग विरले हैं। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि जो हम सोच रहे होते हैं, वही दूर बैठा हमारा साथी भी सोच रहा होता है। जब हम यह बात अपने साथी को बताते हैं, तब वह आश्चर्य में पड़ जाता है। बोलता है कि वह भी तो वही सोच रहा था!

ऐसे मामले हमारी दिनचर्या के हिस्से हैं। ऐसे मामलों में और गहराई से विचार किया जाए, तब कोई और भी कह सकता है कि ऐसा तो वह पहले ही सोच चुका है। दरअसल, यह दायरे में सोच और दोहराव का परिणाम है। आज यह अधिक हो रहा है। सोचने वालों की संख्या बढ़ गई है इसलिए दोहराव भी कई गुना ज्यादा बढ़ गया है।

विज्ञान मानता है कि आधुनिक विमानों का आविष्कार नई सोच के परिणाम हैं। आगे भी परिष्कृत निर्माण होते रहेंगे। विमान पायलट रहित हो जाएं इसकी प्रबल संभावना है। जैसे अंतरिक्ष यान पूरी तरह स्वचालित हैं।

पौराणिक उल्लेख इस सोच के बरक्स दोहराव की दलील को मजबूत करते हैं। 'रामायण' में रावण के पुष्पक विमान का उल्लेख है। इसे क्या कहेंगे? पुष्पक विमान न केवल आसमान की ऊंचाइयों में उड़ता था, बल्कि व्यक्ति की सोच से उड़ता था। सबसे नई तकनीक से लैस आधुनिक टीवी का आविष्कार भी विज्ञान की नई सोच का सिर्फ उदाहरण है। महाभारत में युद्ध का आंखों देखा हाल सुनाए जाने का प्रसंग क्या था? इसे कल्पना और यथार्थ या फिर कल्पना से यथार्थ के सफर के तौर पर देखा जा सकता है। इंटरनेट पर एक वेबसाइट पर हिंदी सहित तमाम दुनिया के संगीत पर पड़ताल जारी है। यहां यह जानकर अचंभित हो जाना पड़ता है कि जिन खूबसूरत फिल्मी गीतों को हम धरोहर मानते हैं, जिनकी मिठास हमें झंकृत कर जाती है और जिन गीतों को सुनकर हमें गर्व होता है, उनका संगीत दोहराव का परिणाम है। न केवल यह, बल्कि यह भी कि जिस संगीत को हम दोहराव मान रहे हैं, वह भी दोहराव का परिणाम है। फिर सवाल उठता है कि संगीत का मूल स्रोत कहां है? यह पड़ताल और भी गहराई में उतर सकती है। संगीत की किसी धुन की मौलिकता पर प्रश्न नहीं है, लेकिन दोहराव का प्रश्न कैसे उत्पन्न हुआ? क्या यह क्रमशः विस्तार है?

हाल ही में मोहनजोदाड़ो और हड़प्पा सभ्यता पर एक ताजा शोध पत्र जारी हुआ। शोध में यह जानने की कोशिश की गई है कि लगभग दस हजार साल पुरानी दुनिया की सबसे विकसित सभ्यता समाप्त कैसे हुई। कहां गए वे लोग, जिन्होंने इस विकसित सभ्यता का निर्माण किया? इस सभ्यता के अवशेष बताते हैं कि यहां अति-विकसित बहुमंजिला इमारतें हुआ करती थीं। मल निस्तारण के लिए फ्लश शौचालय बनाए जाते थे। सीवर लाइनें थीं। इस तरह से आज की अधुनातन ऊंची इमारतें, विकसित कालोनियां और फ्लश शौचालय उस सभ्यता का दोहराव मात्र नहीं हैं?

फिर सवाल उठता है कि सर्वथा नया कहां है? पुराने से मुक्ति का मार्ग क्या है? क्या दोहराव से बचा जा सकता है? सोच के दोहराव से बचने के लिए सोच को रोकना होगा। सोच के निर्वात में जो विचार पैदा होगा क्या वह नया होगा? क्या यह संभव है?

भारत में 1 टेस्ट और 3 वनडे खेलेगा अफगानिस्तान

धर्मशाला, मुल्लांपुर, चेन्नई और लखनऊ को मेजबानी, 6 से 20 जून के बीच होंगे मुकाबले

नईदिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान टीम 6 से 20 जून के बीच भारत में 1 टेस्ट और 3 वनडे खेलेगी। आईपीएल का 19वां सीजन खत्म होने के बाद सीरीज शुरू होगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शेड्यूल रिलीज करते हुए बताया कि मुल्लांपुर में टेस्ट मैच से सीरीज शुरू होगी। फिर धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में 3 वनडे खेले जाएंगे।

14 जून को पहला वनडे

बीसीसीआई ने मीडिया रिलीज में बताया कि महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 6 से 10 जून तक टेस्ट मैच होगा। फिर 14 जून को एचपीसीए स्टेडियम में पहला वनडे, 17 जून को इकाना स्टेडियम में दूसरा वनडे और 20 जून को चेपॉक स्टेडियम में तीसरा वनडे खेला जाएगा। सभी वनडे दोपहर 1.30 बजे से शुरू होंगे।

विराट कोहली और रोहित शर्मा वनडे सीरीज में खेलते नजर आएंगे। दोनों ने इसी साल जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी वनडे सीरीज खेली थी।

वर्ल्ड कप खेल रही है टीम इंडिया- टीम इंडिया फिलहाल होमग्राउंड पर टी-20 वर्ल्ड कप खेल रही है।

भारत ने रविवार को सुपर-8 स्टेज मैच में वेस्टइंडीज को हराया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। जहां टीम का सामना 5 मार्च को इंग्लैंड से होगा, मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का फाइनल 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। दूसरी ओर अफगानिस्तान टीम ग्रुप स्टेज भी पार नहीं कर सकी। टीम को न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार मिली। अफगानिस्तान ने यूएई और कनाडा को जरूर हराया, लेकिन ये जीत सुपर-8 स्टेज में पहुंचने के लिए काफी नहीं थीं।

अफगानिस्तान ने टेस्ट करियर भारत के खिलाफ ही शुरू किया था

अफगानिस्तान ने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत ही टीम इंडिया के खिलाफ मैच से की थी। 2018 में बेंगलुरु के मैदान पर भारत ने पारी और 262 रन से मुकाबला जीत लिया था। तब से अफगानिस्तान ने 13 टेस्ट खेले, 4 जीते और 7 गंवा दिए। जबकि 2 ड्रॉ रहे।

भारत को कभी नहीं हरा सका अफगानिस्तान- अफगानिस्तान और भारत के बीच 4 वनडे खेले गए। सभी मल्टिनेशन टूर्नामेंट में ही रहे। एशिया कप में दोनों ने 2 मैच खेले, 1 में भारत को जीत मिली, जबकि 2018 में एक मुकाबला टाई भी रहा। 2019 और 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में भी दोनों के बीच 2 मैच हुए। सभी में भारत जीता। दोनों टीमों के बीच पहली बार वनडे फॉर्मेट की सीरीज होने जा रही है। टी-20 इंटरनेशनल में दोनों टीमों के बीच 9 मुकाबले हुए। 8 में भारत को जीत मिली, जबकि एशियन गेम्स में एक मुकाबला बेनतीजा भी रहा। दोनों टीमों ने इस फॉर्मेट की इकलौती सीरीज 2024 में खेली थी, तब भारत 3-0 से जीता था।

एमएलएस लियोनल मेसी के 2 गोल से जीता इंटर मियामी

- पिछड़ने के बाद कमबैक किया, ओरलैंडो सिटी को पहली बार उन्हीं के घर में हराया

ओरलैंडो (एजेंसी)। दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी के शानदार 2 गोल की बदौलत इंटर मियामी ने ओरलैंडो सिटी को 4-2 से हरा दिया। रविवार रात इंटर एंड कंपनी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मियामी ने 2 गोल से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी की और मैच जीता। खास बात यह रही कि इंटर मियामी ने अपने इतिहास में पहली बार ओरलैंडो के घरेलू मैदान पर जीत दर्ज की, इससे पहले खेले गए 9 मैचों में टीम को यहां कभी जीत नहीं मिली थी।

हाफ टाइम तक 2-0 से आगे था ओरलैंडो- मैच की शुरुआत इंटर मियामी के लिए किसी बुरे सपने जैसी रही। ओरलैंडो सिटी ने होम कंडीशन का फायदा उठाते हुए शुरुआती 25 मिनट में ही मियामी को बैकफुट पर धकेल दिया था। 18वां मिनट- मार्को पासालिक ने इवान एंगुलो के पास पर गोल कर ओरलैंडो को 1-0 की बढ़त दिलाई। पासालिक का मियामी के खिलाफ यह लगातार चौथा गोल रहा। 24वां मिनट- डिफेंडर ग्रिफिन डोर्सी की मदद से मार्टिन ओजेडा ने दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। हाफ टाइम तक मियामी की टीम परेशानी में नजर आई।

सेकेंड हाफ में मेसी और सेगोविया का तूफान- दूसरे हाफ में कहानी पूरी तरह बदल गई। मियामी के खिलाड़ियों ने अटैकिंग फुटबॉल खेलना शुरू कर दिया। 49वां मिनट- 20 साल के युवा फॉरवर्ड माटेओ सिल्वेटी ने अपने करियर का पहला गोल कर स्कोर 2-1 किया। 57वां मिनट- लियोनल मेसी ने सेगोविया के पास पर सटीक गोल दागते हुए स्कोर 2-2 की बराबरी पर ला खड़ा किया। 85वां मिनट- पूरे मैच में छाए रहे टेलैस्को सेगोविया ने बिना किसी मदद के सोलो गोल कर मियामी को पहली बार मैच में 3-2 की बढ़त दिला दी।

लखनऊ में बच्चों संग खेले युवराज सिंह

लड़कियों को मोटिवेट कर बोले- अच्छा कैच पकड़ा, लड़कों से कहा कुछ सीख लो

लखनऊ (एजेंसी)। क्रिकेटर युवराज सिंह सोमवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम पहुंचे। यहां उन्होंने बच्चों को क्रिकेट की टिप्स दिए। इस दौरान बच्चों ने बॉलिंग की और युवराज ने बैटिंग। इसी के साथ युवराज ने कैच लेने की प्रैक्टिस कराई। इस दौरान युवराज सिंह ने लड़कियों की तारीफ करते हुए कहा- बहुत अच्छा कैच पकड़ा है। लड़कों देख लो। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा- आप सभी को हर बॉल पर तैयार रहना चाहिए। मैदान पर कभी भी लूज होकर नहीं खड़े होना चाहिए। लूज खड़े रहने पर कैच छूटेगा, बॉल चली जाएगी। रिलैक्स होकर हल्के हाथ से कैच पकड़ा जाता है। इस दौरान युवराज ने अपने बैट छोड़कर भागने का अपना एक किस्सा भी सुनाया।

कैसे लगाएं बड़ी हिट, युवराज ने बताया- युवराज सिंह ने खिलाड़ियों को बॉलिंग करने के टिप्स दिए। बताया कि स्पिन गेंदबाजी के साथ में पेस अटैक पर किस तरह से सही लाइन लेंथ पर बॉल की जाती है। बॉलिंग करते समय बॉडी का पॉस्चर क्या होना चाहिए?

ईरान फीफा वर्ल्ड कप का बॉयकॉट कर सकता है

- फेडरेशन प्रेसिडेंट बोले- जंग के बीच अमेरिका में फुटबॉल खेलना मुश्किल, 11 जून से टूर्नामेंट

ब्राजील (एजेंसी)। फुटबॉल की दुनिया के सबसे बड़े टूर्नामेंट 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' पर युद्ध का साया मंडराने लगा है। इजरायल और अमेरिका के हमलों के कारण ईरान टूर्नामेंट का बॉयकॉट कर सकता है। ईरान फुटबॉल फेडरेशन के प्रेसिडेंट मेहदी ताज ने कहा है कि मौजूदा हालातों में नेशनल टीम का अमेरिका जाकर फुटबॉल खेलना बेहद मुश्किल है। वर्ल्ड कप 11 जून से 19 जुलाई के बीच अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा। ईरान को अपने तीनों मैच अमेरिका में ही खेलने हैं।

ट्रंप सरकार ने ट्रैवल बैन भी लगाया

ईरान के लिए स्पोर्ट्स के अलावा राजनीतिक परेशानियां भी कम नहीं हैं। ट्रंप सरकार ने ईरानी फैंस को देश में एंट्री देने से मना कर दिया है। ऐसे में ईरानी टीम का अमेरिका जाकर खुलकर खेल पाना भी मुश्किल लग रहा है।

उम्मीद के साथ वर्ल्ड कप नहीं देख सकते- मेहदी

ईरानी स्पोर्ट्स वेबसाइट वर्जिश-3 से बातचीत में मेहदी ताज ने कहा, इस हमले के बाद हमसे यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि हम आशा और उत्साह के साथ वर्ल्ड कप की ओर देखें। अमेरिका और इजरायल के हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए। इससे पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव का माहौल बन गया।

भारत को सेमीफाइनल तक पहुंचाने वाले 5 हीरोज

सैमसन ने विंडीज से करो या मरो मैच जिताया; बुमराह-ईशान ने पाकिस्तान को हराया

कोलकाता (एजेंसी)। डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने छठी बार टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली। टीम इंडिया ने अपने अभियान का आगाज लीग स्टेज के तीनों मैच जीतकर किया। लेकिन, सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम पहला सुपर-8 मैच साउथ अफ्रीका से हार गई। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मिली हार के बाद टीम इंडिया की सेमीफाइनल में पहुंचने की राह मुश्किल हो गई थी। इसके बाद उसने लगातार दो मैच जीतकर टॉप-4 में एंट्री की।

संजू सैमसन- मैच विनिंग पारी खेली- कोलकाता में भारत-वेस्टइंडीज का मैच करो या मरो था। टॉस हारकर पहले बैटिंग कर रही कैरेबियाई टीम ने 20 ओवर में 195 रन बनाए। संजू सैमसन 196 रन चेज कर रही भारतीय टीम से ओपन करने उतरे और मैच जिताकर लौटे। सैमसन ने 50 बॉल पर नाबाद 97 रनों की पारी खेली। सैमसन 3 मैच में एक फिफ्टी के सहारे 143 रन बना चुके हैं।

जसप्रीत बुमराह - पाकिस्तान के खिलाफ दो विकेट झटके- 14 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में इंडिया ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 175 रन बनाए। 176 रन चेज कर रही पाकिस्तान ने एक रन पर साहिबजादा फरहान का विकेट गंवाया। अगले ही ओवर में बुमराह ने सईम अयूब (6 रन) और कप्तान कप्तान सलमान अली आगा (4 रन) को पवेलियन भेजकर पाकिस्तान को दबाव में डाल दिया। इससे पाकिस्तानी टीम उबर नहीं सकी और 61 रन से हार गई। इस जीत ने भारत को सुपर-8 में पहुंचा दिया।

ईशान किशन - नामीबिया, पाकिस्तान के खिलाफ फिफ्टी- ईशान मौजूदा वर्ल्ड कप में भारत के टॉप स्कोरर की लिस्ट में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने नामीबिया के खिलाफ 61 और पाकिस्तान के खिलाफ 77 रन बनाए। वे पाकिस्तान के खिलाफ अभिषेक शर्मा के साथ ओपन करने उतरे। लेकिन अभिषेक जीरो पर आउट हो गए। ऐसे में ईशान ने तिलक वर्मा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी ने टीम इंडिया को 175 रन के स्कोर तक पहुंचाया।

वरुण चक्रवर्ती - भारत के टॉप विकेट टेकर्स- टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के टॉप-3 विकेट टेकर्स में शामिल हैं। भारत के टॉप विकेट टेकर हैं। अब तक खेले गए 7 मैचों में 12 विकेट चटका चुके हैं। नामीबिया और नीदरलैंड के खिलाफ 3-3 विकेट लिए थे। पाकिस्तान के खिलाफ भी 2 विकेट चटकाए थे।

हार्दिक पंड्या - 2 फिफ्टी, 6 विकेट भी झटके- बैट और बॉल दोनों से योगदान दिया। अब तक खेले गए 7 मैचों में 172 रन बनाए। इनमें दो फिफ्टी शामिल रही। उन्होंने 156.36 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। पंड्या ने नई बॉल से गेंदबाजी की। पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में साहिबजादा फरहान को पहले ही ओवर में जीरो पर पवेलियन भेज दिया। पंड्या अब तक 6 विकेट ले चुके हैं।

पाकिस्तान की वर्ल्डकप टीम के प्लेयर्स पर

50-50 लाख जुर्माना

- टीम के खराब प्रदर्शन से पीसीबी नाराज, बोला- हारने की सजा मिलनी चाहिए

इस्लामाबाद (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बड़ा कदम उठाया है। बोर्ड अपने खिलाड़ियों से जुर्माना वसूलने वाला है।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, पाकिस्तान के हर खिलाड़ी पर 50 लाख पाकिस्तानी रुपए (16.28 लाख भारतीय रुपए) का जुर्माना लगाया गया। बोर्ड अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि अब खिलाड़ियों को आर्थिक फायदा केवल अच्छे प्रदर्शन के आधार पर ही मिलेगा।

भारत के मैच के बाद लगा दिया था जुर्माना- पाकिस्तानी फैंस के साथ बोर्ड अधिकारी भी टीम के प्रदर्शन से बेहद नाराज हैं। भारत के खिलाफ मैच हारने के बाद ही हर पाकिस्तानी खिलाड़ी पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगा दिया गया था। पीसीबी ने कहा कि अगर अच्छे प्रदर्शन पर इनाम मिलता है, तो खराब प्रदर्शन पर सजा भी मिलेगी। भारत से हार के तुरंत बाद टीम को यह फैसला बता दिया गया था।

नेशनल प्लेयर्स को हर महीने लाखों रुपए मिलते हैं- पाकिस्तान में नेशनल टीम का हिस्सा प्लेयर्स को 4 कैटेगरी में सैलरी मिलती है। ए कैटगरी में करीब 65 लाख, बी कैटेगरी में 45 लाख, सी कैटेगरी में 20 लाख और डी कैटेगरी में 12.50 लाख रुपए हर महीने मिलते हैं। हालांकि, जुलाई 2025 से जून 2026 के पिछले कॉन्ट्रैक्ट में पीसीबी ने किसी भी खिलाड़ी को ए कैटेगरी में नहीं रखा। यानी जुर्माने के बाद बी कैटेगरी प्लेयर्स की करीब एक महीने की सैलरी कट जाएगी। वहीं सी और डी कैटेगरी के प्लेयर्स को 2 से 3 महीने की सैलरी जुर्माने में देनी पड़ेगी।

श्रीलंका पर जीत के बावजूद बाहर हुआ पाकिस्तान- पाकिस्तान ने ग्रुप स्टेज के पहले मैच में नीदरलैंड के खिलाफ मुश्किल से जीत दर्ज की।

मुंबई क्रिकेट ने महिला टी-20 लीग की शुरुआत की

- जेमिमा समेत 3 आइकन प्लेयर होंगी, 1 से 15 जून के बीच आयोजन की तैयारी

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने महिला टी-20 मुंबई लीग की शुरुआत कर दी है। मेंस की टी-20 मुंबई लीग की तर्ज पर होने वाली इस फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता के लिए 3 टीमों की बिक्री से को एसोसिएशन 4 करोड़ रुपए से ज्यादा की आय हुई है। लीग का आयोजन 1 से 15 जून के बीच हो सकता है।

कुल 7 मुकाबले खेले जाएंगे

महिला लीग में कुल 7 मुकाबले खेले जाएंगे। इसमें तीन आइकन खिलाड़ी शामिल होंगी, जिनमें जेमिमा रोड्रिग्स, सायमा ठाकोर और सयाली सतघरे के नाम प्रस्तावित हैं। हालांकि इनकी उपलब्धता पर अंतिम फैसला होगा। यह लीग सिर्फ मुंबई की महिला क्रिकेटरों के लिए होगी। एमसीए खिलाड़ियों की नीलामी भी कराने की तैयारी में है। एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा कि बोली प्रक्रिया को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है।

अमेरिका-ईरान जंग के बीच पाकिस्तान-इंग्लैंड डोमेस्टिक मैच रद्द

सुरक्षा हालात के चलते फैसला लिया गया, खिलाड़ी होटल में ही रहेंगे

कराची (एजेंसी)। अमेरिका, इजराइल और ईरान जंग के बीच पाकिस्तान शाहीन्स और इंग्लैंड लायंस के बीच दूसरा वनडे रद्द कर दिया गया है। रविवार को यह मैच अबू धाबी में खेल जाना था। क्षेत्र में बिगड़ते सुरक्षा हालात को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि आज होने वाला मुकाबला रद्द कर दिया गया है। सभी खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों को होटल के अंदर ही रहने के निर्देश दिए गए हैं। आज कोई अभ्यास सत्र भी नहीं होगा।

इंग्लैंड बोर्ड की सलाह पर फैसला- पीसीबी री ने बताया कि यह फैसला इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी)की सलाह पर लिया गया। बोर्ड के अनुसार खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता है।

पीसीबी लगातार ईसीबी के संपर्क में है और हालात पर नजर रखे हुए है। मध्य-पूर्व के हवाई क्षेत्र के दोबारा खुलने के बाद ही सीरीज के भविष्य पर फैसला किया जाएगा। इसमें यह भी तय होगा कि शाहीन्स टीम को पाकिस्तान वापस बुलाया जाए या बचे हुए मैच कराए जाएं।

जॉनी बेयरस्टो ने मदद मांगी- इस बीच इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो भी अबू धाबी में टीम के साथ मेंटर की भूमिका में मौजूद हैं। आईपीएल में खेल चुके बेयरस्टो ने यूके के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से मदद की अपील की। स्टार्मर के एक सोशल मीडिया वीडियो पर कमेंट करते हुए उन्होंने लिखा, क्या आप हमें घर पहुंचा सकते हैं। उनका यह संदेश वायरल हो रहा है।

ईरान ने मिसाइल दागी- यह स्थिति 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों के बाद बनी। इसके जवाब में तेहरान ने खाड़ी क्षेत्र के कुछ हिस्सों में मिसाइल दागीं। इसके चलते कई देशों ने अपना हवाई क्षेत्र बंद या सीमित कर दिया है। ईरान ने ईरान में इजराइली हमले के बाद कई लोग मलबे में दब गए, जिन्हें बाद में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर निकाला गया।

एशियन चैंपियंस लीग के फुटबॉल मैच भी टले- मिडिल ईस्ट (मध्य पूर्व) में जारी तनाव के बीच एशियन चैंपियंस लीग एलीट के मुकाबले स्थगित कर दिए गए हैं। एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन ने रविवार को इसकी पुष्टि की। सोमवार और मंगलवार को यूएई और कतर में राउंड ऑफ 16 के चार पहले चरण के मैच खेले जाने थे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेल: alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670